संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -176 शुक्रवार,28 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिया था विवादित बयान

आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर खड़गे की सफाई

» अब बोले-अगर किसी को ठेस पहुंची हो तो खेद व्यक्त करूंगा

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023(ए)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सफाई दी है। दरअसल, कर्नाटक के कालबुर्गी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।
कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अगर मेरे बयान से किसी को ठेस पहुंची हो, उसका गलत अर्थ निकाला गया हो और किसी को दुख पहुंचा हो तो मैं उसके लिए खेद व्यक्त करूंगा।

किसी को आहत करने का नहीं था इरादा

खरगे ने कहा, हमारे बीच वैचारिक मतभेद हैं। आरएसएस-भाजपा की विचारधारा जहरीली है, लेकिन उन्होंने इसकी तुलना प्रधानमंत्री से की और दावा किया कि मैंने उनके बारे में टिप्पणी की। किसी व्यक्ति के बारे में बोलने या किसी को आहत करने का मेरा इरादा कभी नहीं था।

खरगे की हुई थी चौतरफा आलोचना

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर खरगे की चौतरफा आलोचना हुई थी। भाजपा ने पलटवार करते हुए इस टिप्पणी की तुलना सोनिया गांधी के मौत का सौदागर से की थी। हालांकि, बाद में खरगे की सफाई भी सामने आई थी।
खरगे ने कहा था कि यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के लिए नहीं थी, बल्कि भाजपा की विचारधारा के लिए थी।उन्होंने कहा था कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए व्यक्तिगत रूप से यह कभी नहीं कहा।

भाजपा ने खोला मोर्चा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि खरगे का ऐसा बयान देना कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है...एक तरफ राहुल गांधी जी प्यार की दुकान खोलने के लिए भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं और उन्हीं की पार्टी के अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं।
केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि आज वे किस प्रकार का जहर उगल रहे हैं ये देश देख रहा है। ये पहली बार नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेस के किसी नेता ने अभद्र टिप्पणी की हो। ऐसी टिप्पणी से उन्होंने ये सुनिश्चित कर दिया है कि कांग्रेस की कर्नाटक चुनाव में हार पक्की है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का विवादित बयान...बोले-मोदी जहरीले सांप की तरह

राजनीति में चुनाव के दौरान दिग्गजों की विवादित टिप्पणियां रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा दिए गए आपत्तिजनक बयान का है। खड़गे ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान देते हुए कहा कि मोदी जहरीले सांप की तरह हैं, आप इसे जहर समझें या न समझें लेकिन अगर आप इसे चखेंगे तो मर जाएंगे। आप सोच सकते हैं कि क्या यह सही में जहर है? मोदी एक अच्छे इंसान हैं, उन्होंने जो दिया है, उसे हम देखेंगे, आप जैसे ही इसे चाटेंगे, तो पूरी तरह से सो जाएंगे।
उधर, कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने खड़गे के बयान पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी अध्यक्ष बनाया, लेकिन कोई उन्हें ऐसा नहीं मानता, इसलिए उन्होंने सोनिया गांधी के बयान से भी बदतर बयान देने के बारे में सोचा है। कांग्रेस अध्यक्ष का यह बयान निंदनीय है। इसकी जितनी निंदा की जाए वह कम है।

समलैंगिक शादी में पत्नी कौन होगा

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में पूछा

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023(ए)। समलैंगिक मैरिज को मान्यता देने वाली 20 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में वीरवार को छठे दिन सुनवाई हुई। खबर लिखे जाने तक सुनवाई जारी थी। सुनवाई के दौरान केंद्र का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पूछा कि समलैंगिक विवाह में पत्नी कौन होगा, जिसे भरण-पोषण का अधिकार मिलता है। गे या लेस्बियन मैरिज में पत्नी किसे कहेंगे। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि अगर यह जिक्र सेम सेक्स मैरिज में लागू करने के लिए किया जा रहा है तो इसके मायने हैं कि पति भी रखरखाव का दावा कर सकता है, लेकिन अपोजिट जेंडर वाली शादियों में यह लागू नहीं होगा।

सूडान में फंसे 360 भारतीय दिल्ली पहुंचे

» एयरपोर्ट पर लगे 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' के नारे

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023(ए)। ऑपरेशन कावेरी के तहत हिंसा प्रभावित सूडान से 360 भारतीयों को लेकर पहली उड़ान दिल्ली पहुंच गई। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही लोगों ने भारत माता की जय, इंडियन आर्मी जिंदाबाद, पीएम नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। सूडान से लौटे एक भारतीय नागरिक ने कहा, भारत सरकार ने हमारा बहुत साथ दिया। बड़ी बात यह है कि हम यहां सुरक्षित पहुंच गए क्योंकि यह बहुत खतरनाक था। मैं पीएम मोदी और भारतीय सरकार को धन्यवाद देता हूं।
बता दें, भारत अब तक करीब 1100 नागरिकों को भारतीय नौसेना के जहाजों और वायु सेना के विमानों के जरिये सुरक्षित बाहर निकाला है। भारतीय वायुसेना का सी-130जे विमान 128 भारतीयों को लेकर जेद्दाह पहुंचा, जबकि आईएनएस तेग भारतीयों के पांचवें जत्थे सहित 297 यात्रियों को लेकर कल रात सूडान बंदरगाह से रवाना हुआ। बचाव कार्यों की निगरानी के लिए जेद्दा में मौजूदा विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने ट्वीट में कहा, यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि जेद्दा पहुंचे सभी भारतीयों को जल्द से जल्द भारत भेजा जाए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, चौथी आईएएफ सी-130जे उड़ान 128 यात्रियों के साथ पोर्ट सूडान से जेद्दा के लिए रवाना हुई। ऑपरेशन कावेरी के तहत सूडान से निकाले जाने वाले भारतीयों का यह छठा जत्था है। इसके बाद अब तक कुल लगभग 1100 लोगों को सूडान से निकाला गया हैं।
इस बीच मुरलीधरन ने खार्तून में गोलीबारी में मारे गए भारतीय नागरिक अल्बर्ट ऑगस्टाइन के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, भारतीय वायुसेना के सी130 जे विमान द्वारा जेद्दा पहुंचे सूडान में मारे गए एक भारतीय अल्बर्ट ऑगस्टाइन के परिवार से मिला। परिवार के कोच्चि पहुंचने के लिए तुरंत टिकट का इंतजाम किया। उन्होंने ट्वीट किया, परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। ऑपरेशन कावेरी तब तक जारी रहेगा जब तक हम उन सभी भारतीयों को नहीं बचा लेते जो घर वापस आना चाहते हैं।

सूडान में हालात बेहद खराब, हम हर भारतीय को वहां से निकालेंगेः विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय के सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने आज मिशन कावेरी पर जानकारी देते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य शीघ्र से शीघ्र अपने लोगों को सेफ जगह भेजकर उन्हें भारत लाना है। उन्होंने कहा कि सूडान में हालात बेहद खराब हैं, हम हर भारतीय को वहां से बाहर निकालेंगे। सूडान में आपरेशन कावेरी के दूसरे दिन बुधवार देर रात 367 नागरिकों का पहला बैच सऊदी अरब के जेद्दाह से नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट पर लोगों ने 'भारत माता की जय, इंडियन आर्मी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद' के नारे लगाए।

भारत का पाक-चीन को करारा जवाब

» जम्मू-कश्मीर-लद्दाख हमारा था, है और रहेगा

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023 (ए)। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को लेकर अपना रुख स्पष्ट करते हुए चीन और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। भारत ने अपने इस रुख को दोहराया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे। उन्होंने 'यूएनजीए प्लेनरी- यूज ऑफ द वीटो' को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी देश कितनी भी गलत सूचना, बयानबाजी और प्रचार करले लेकिन वो इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकता है।
काउंसलर प्रतीक माथुर ने कहा कि यूएनजीओ के 'वीटो पहल' को अपनाए हुए एक साल बीत चुका है। उन्होंने कहा कि यूएनजीए ने 2008 में सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की थी कि यूएनएससी सुधार के सभी पांच पहलू, जिनमें वीटो भी शामिल है, पर व्यापक तरीके से फैसला किया जाएगा। यूएनएससी में सुधार की पर फिर समर्थन जताते हुए उन्होंने कहा कि वीटो पर भारत की

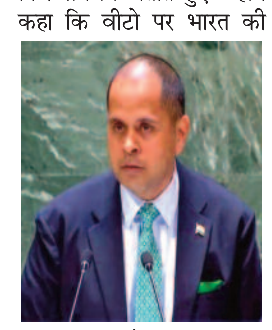

स्थिति स्पष्ट है। बता दें कि भारत और कई अफ्रीकी और एशियाई देश कई सालों से वीटो सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र पर जोर दे रहे हैं।
संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम जिन्हें सामूहिक रूप से पी5 के रूप में जाना जाता है। इन 5 देशों का कोई भी सदस्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित प्रस्ताव को वीटो कर सकता है। हालांकि, सुरक्षा परिषद 10 सदस्यों का चुनाव करती है, जो परिषद में दो साल तक रहते हैं, लेकिन उन्हें वीटो पावर नहीं दिया जाता है।
यूएनएससी में सुधार की पर फिर समर्थन जताते हुए उन्होंने कहा कि वीटो पर भारत की स्थिति स्पष्ट है। बता दें कि भारत और कई अफ्रीकी और एशियाई देश कई सालों से वीटो सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र पर जोर दे रहे हैं।
संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम जिन्हें सामूहिक रूप से पी5 के रूप में जाना जाता है। इन 5 देशों का कोई भी सदस्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित प्रस्ताव को वीटो कर सकता है। हालांकि, सुरक्षा परिषद 10 सदस्यों का चुनाव करती है, जो परिषद में दो साल तक रहते हैं, लेकिन उन्हें वीटो पावर नहीं दिया जाता है।

नवजोत सिद्धू ने हाईकोर्ट से लगाई जेडप्लस सुरक्षा देने की गुहार

चंडीगढ़,27 अप्रैल 2023 (ए)। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर कमर अपनी सुरक्षा बढाए जाने की मांग की है। हाई कोर्ट उनकी याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करेगा। कांग्रेस नेता ने मांग की है कि उनकी सुरक्षा 'वाई' श्रेणी से 'जेड+' कर दी जाए।
सिद्धू ने अपनी याचिका में कहा कि जेल जाने से पहले केंद्र सरकार द्वारा ही तय मापदंड के अनुसार उनकी सुरक्षा का आंकलन करते हुए उन्हें जेड प्लस सुरक्षा मुहैया करवाई गई थीद्य इसके पश्चात सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के चलते एक मामले में उन्हें एक साल के लिए जेल जाना पड़ा था और

जेल में बंद होने के चलते उनकी सुरक्षा होल्ड पर रख दी गई थी और जैसे ही उन्होंने वापस बाहर आना था उन्हें सुरक्षा वापिस की जानी चाहिए थी परंतु उनके साथ ऐसा नहीं किया गया है।
जब वह जेल से रिहा हुए तो उनकी सुरक्षा पहले से ही कम करते हुए वाई' श्रेणी सुरक्षा कर दी गईद्य जिसके चलते वह खुद को इस समय सुरक्षित नहीं देख पा रहे हैं क्योंकि अभी भी उनकी जान को खतरा बना हुआ है और पंजाब में उनके काफी विरोधी भी हैं इसलिए वाई' श्रेणी सुरक्षा की जगह उन्हें पहले वाली जेड प्लस सुरक्षा ही जारी करवाई जाए ।

ड्रग तस्करी में गिरफ्तार सड़क 2 की अभिनेत्री यूएई की जेल से हुईं रिहा

नई दिल्ली ,27 अप्रैल 2023(ए)। सड़क 2' और 'बाटला हाउस' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री क्रिसन परेरा को लेकर पिछले दिनों एक ऐसी खबर आई थी, जिसने सभी को हिलाकर रख दिया था। क्रिसन परेरा को बीते दिनों यूएई पुलिस ने ड्रग्स के आरोप में गिरफ्तार किया था।

हालांकि, अब खबर है कि अभिनेत्री को बीते दिन जेल से रिहा कर दिया गया है। क्रिसन के भाई केविन परेरा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें शारजाह जेल से रिहा होने के बाद क्रिसन अपने परिवार संग बात करती नजर आ रही हैं।क्रिसन के भाई केविन परेरा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, अभिनेत्री शारजाह जेल से रिहा होने के बाद वीडियो कॉल पर वह अपनी मां से बात करती दिखाई दे रही हैं। बेटी से बात कर उनकी मां खुशी से झूमती नजर आ रही हैं। केविन ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'क्रिसन आजाद है!!! वह अगले 48 घंटे में भारत में होगी।'

पंचतत्व में विलीन हुए प्रकाश सिंह बादल

नम आंखों से लोगों ने दी विदाई

चंडीगढ़,27अप्रैल 2023 (ए)। पंजाब राज्य के पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल का गांव बादल में अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे व अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने पंचतत्व में विलीन हुए प्रकाश सिंह बादल को मुखाग्नि दी। पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल का अंतिम संस्कार उनके किन्नुओं के बाग में राजकीय सम्मान के साथ किया गया।इससे पहले सुबह घर में पार्थिव देह को अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया। उनके अंतिम संस्कार के मौके भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पंजाब के सीएम भगवंत मान, गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित, जेएंडके के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, एनसीपी चीफ शरद पवार, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, हरियाणा के इनेलो नेता अभय चौटाला, केंद्रीय मंत्री सोमनाथ, पूर्व सेहत मंत्री सुरजीत ज्याणी, कांग्रेसी नेता व पूर्व डिप्टी सीएम ओम प्रकाश सोनी, श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी प्रधान एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी, भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा भी शोक जताने पहुंचे। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने पंजाब के लंबी गांव में शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

अब एनआईए करेगी रामनवमी हिंसा की जांच

» हाईकोर्ट के आदेश से ममता सरकार को बड़ा झटका

कलकत्ता,27 अप्रैल 2023 (ए)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने हावड़ा और दलखोला जिलों के साथ ही पश्चिम बंगाल के अन्य हिस्सों में रामनवमी के दौरान भड़की हिंसा की जांच एनआईए को सौंप दी है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार (27 अप्रैल) को आदेश दिया कि मामले की जांच एनआईए द्वारा करवाई जाए। पिछले महीने रामनवमी पर आयोजनों के दौरान राज्य के विभिन्न इलाकों में सामुदायिक दंगे भड़क गए थे। इस दौरान, तोड़फोड़, आगजनी और पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आई थीं। सबसे ज्यादा हिंसात्मक घटनाएं हावड़ा और दलखोला जिले में हुई थीं।
बता दें कि हावड़ा और दिनाजपुर जिले में विश्व हिंदू परिषद ने रामनवमी का जुलूस

निकाला था। इसी दौरान दो समुदाय भिड़ गए। इसके 24 घंटे बाद शिबपुर में दोबारा पत्थरबाजी की घटना हुई। इसमें तीन पुलिसवालों समेत करीब 15 लोग घायल हो गए थे। इसके अलावा 10 वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। कई दुकानों में आग लगा दी गई थी और तोड़फोड़ की गई थी।

जेल से रिहा हुआ बाहुबली आनंद मोहन

» रिहाई के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर

पटना ,27 अप्रैल 2023 (ए)। बाहुबली नेता और पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह 16 साल बाद जेल से रिहा हो गया है। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद वह आज सुबह 4.30 बजे जेल से बाहर आया। बता दें कि गोपालगंज के डीएम जी कृष्णैय्या की हत्या के मामले में उन्हें उम्रकैद हुई थी। हाल ही में नीतीश सरकार ने जेल नियमों में बदलाव कर उनकी रिहाई का आदेश जारी किया था। जेल से निकलने के बाद आनंद मोहन के सक्रिय राजनीति में आने की चर्चा है। 2024 में उनके चुनाव लड़ने की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। हालांकि अभी तक उन्होंने इस बारे में कोई खुलासा नहीं किया है।
शिवहर से पूर्व सांसद आनंद मोहन के बेटे चेतन की 3 मई को शादी है। वह देहरादून में डॉक्टर आयुषी

सिंह के साथ सात फेरे लेंगे। चेतन आनंद अभी शिवहर से आरजेडी के विधायक हैं। 24 अप्रैल को चेतन और आयुषी की रिंग सेरेमनी थी। पटना में हुए इस समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी शामिल हुए थे। जेल से रिहाई के बाद आनंद मोहन अपने बेटे की शादी की तैयारियों में जुटेंगे। इसके बाद आगे की रणनीति बनाएंगे।
बाहुबली आनंद मोहन की जेल से रिहाई की टाइमिंग अपने आप में बहुत कुछ कह रही है। वे अब फिर से राजनीति में अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। चर्चा है कि आनंद मोहन ने 2024 में लोकसभा का चुनाव लड़ने की प्लानिंग कर दी है। कोसी क्षेत्र में उनका खासा प्रभाव है। सवर्ण और खासकर राजपूत वोटबैंक पर उनकी अच्छी पकड़ है। ऐसे में वे आगामी आम चुनाव में बड़ा फैक्टर साबित हो सकते हैं।दो दिन पहले मीडिया से बातचीत में आनंद मोहन से उनकी अगली रणनीति के बारे में सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि वे जेल से छूटकर अपने साथियों से मुलाकात करेंगे। उनकी राय लेने के बाद ही आगे का फैसला करेंगे। हालांकि, इस दौरान उन्होंने चुनावी राजनीति में जाने के संकेत जरूर दिए। कयास लगाए जा रहे हैं कि आनंद मोहन नीतीश कुमार की जेडीयू या लालू यादव की आरजेडी में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा उनके द्वारा नई पार्टी बनाने की भी चर्चा हो रही है। जब आनंद मोहन से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अपने साथियों से बात करके इस पर फैसला लेंगे।

चुनाव से ठीक पहले बीजेपी ने अपने उम्मीदवार का नाम लिया वापस

» निर्विरोध मेयर चुनी गईं आप की शैली ऑबरोय

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023 (ए)। दिल्ली मेयर चुनाव को लेकर कई तरह के सस्पेंस लगाए जा रहे थे लेकिन चुनाव के ठीक पहले सस्पेंस का एक और तड़का सुबह लगा। दरअसल बीजेपी ने मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव के लिये अपना नामांकन वापस लिया। बता दें कि दिल्ली में आज ही मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव होना है। इस बाबत एमसीडी की कार्यवाही भी शुरू हो चुकी है। इसी दौरान ये जानकारी मिली कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने मेयर पद के उम्मीदवार का नाम वापस ले लिया है। अपने उम्मीदवार का नाम वापस लेने के पीछे सदन में संख्याबल की कमी एक कारण हो सकता है।

मौजूदा नंबर्स को देखा जाए तो आम आदमी पार्टी के पास 250 में से 133 पार्षद हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी के पास 108 पार्षद है। कांग्रेस के सदन में सिर्फ 9 पार्षद ही हैं। यानी संख्याबल सीधे-सीधे आम आदमी पार्टी के समर्थन में दिखाई दे रहा है।
बीजेपी प्रत्याशी का नाम वापस लेने के बाद पीठासीन अधिकारी मुकेश गोयल ने डॉ शैली ऑबरोय को मेयर घोषित कर दिया है। एमसीडी सदन में भाजपा की मेयर पद की उम्मीदवार शिखा राय ने खुद ये एलान किया कि वो अपना नाम वापस ले रहीं हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि वो डॉ शैली ऑबरोय को बधाई देती हैं और आग्रह करती हैं कि मेयर स्टेंडिंग कमेटी का चुनाव होने दें। उसमें कानूनी रुकावट न डालें।

संपादकीय

दानदाताओं की भ्रांतियां समाज के काम में बाधा डाल रही हैं

अधिकांश दाताओं के कार्य लोगों, समुदायों, प्रणालियों और समाजों में परिवर्तन के बारे में उनकी धारणाओं से महत्वपूर्ण रूप से संचालित होते हैं। यह स्वाभाविक और समझ में आता है। ये धारणाएँ उनके विश्वासों का आधार बनती हैं कि किस तरह के हस्तक्षेप, कार्यक्रम या प्रयास समर्थन के लायक हैं। बदले में यह नागरिक समाज संगठनों (ष्टस्ह्य) की प्राथमिकताओं और कार्यों को सीधे प्रभावित करता है, जिनका काम इन दानों से वित्तपोषित होता है। परोपकारी दाताओं की तुलना में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) दाताओं के बीच ये धारणाएं अधिक स्पष्ट हैं, और सीएसओ पारिस्थितिकी तंत्र में एक बड़ी समस्या बन गई हैं।

दाताओं के बारे में स्तंभों की श्रृंखला में यह तीसरा है- उन्हें किन बातों से सावधान रहना चाहिए, यह देखते हुए कि उनके कार्य ष्टस्ह्र परिदृश्य को आकार देने में गहन भूमिका निभाते हैं। मैं जो कुछ भी लिखता हूं वह एक बड़े दाता के रूप में हमारे अपने अनुभव और गलतियों पर आधारित होता है, साथ ही साथ हम अन्य दाताओं के व्यवहार और सीएसओ पर इसके प्रभावों को देखते हैं- एक शब्द जिसमें गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), समुदाय शामिल हैं आधारित संगठन (सीबीओ) और अन्य प्रकार के गैर-लाभकारी संगठन जो सामाजिक सुधार के लिए काम कर रहे हैं और कमजोर लोगों की मदद कर रहे हैं।

व्यक्तियों और समाज में परिवर्तन के बारे में दाताओं की धारणा सीएसओ पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण समस्याओं का कारण कैसे बन सकती है? उनके सभी अच्छे इरादों और संवाद में सीएसओ को शामिल करने के अक्सर वास्तविक प्रयासों के लिए, बहुत से दाताओं (सभी नहीं) की धारणाएं असत्य हैं।

ये धारणाएँ क्या हैं और यह घटना कैसे काम करती है? दाताओं के बीच तीन प्रकार की %अवास्तविकता% व्याप्त है।

सबसे पहले, दाता पूर्वानुमेय और निश्चित परिणाम देखना चाहते हैं, जब वास्तव में, लोगों, प्रणालियों और समाजों में परिवर्तन के कारण और रास्ते अनिश्चितता, अप्रत्याशितता और अनपेक्षित परिणामों से ग्रस्त हैं। यदि वे अपने स्वयं, या पड़ोस, या उस संगठन पर विचार करें जहां वे काम करते हैं, तो दाताओं को यह स्वीकार करना होगा कि यह पता लगाना कठिन है कि क्या परिवर्तन होता है, कैसे परिवर्तन होता है, और कब, व्यक्तियों या लोगों के समूहों में। समुदाय और सामाजिक व्यवस्था असीम रूप से अधिक जटिल हैं। लेकिन जब इन समुदायों और प्रणालियों में फंडिंग कार्यक्रमों या हस्तक्षेपों की बात आती है, तो वे भविष्यवाणी और निश्चितता देखना चाहते हैं। यहां तक कि जो लोग इस मामले को बौद्धिक रूप से समझते हैं उन्हें भी इसे कार्रवाई में स्वीकार करने में कठिनाई होती है।

अमृतपाल सिंह मामले से निबटने में केंद्र और पंजाब सरकार ने बड़ी सूझबूझ का परिचय दिया

वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पुलिस ने मोगा जिले से गिरफ्तार कर लिया है जो 18 मार्च से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस उसे बठिंडा के एयरफोर्स स्टेशन लेकर गई, जहां से उसे असम के डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। खालिस्तान की मांग का समर्थन करने वाले अमृतपाल सिंह के गिरफ्तार होने के बाद अब अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूरे घटनाक्रम पर कहा कि पिछले कुछ दिनों से पंजाब के अमन-शांति को बर्बाद करने की कोशिश की जा रही थी। अगर चाहते तो उस दिन ही सभी को पकड़ लिया जाता लेकिन पंजाब सरकार कोई खून-खराबा नहीं चाहती थी। उन्होंने कहा, पंजाब में पिछले कुछ महीनों से कानून-व्यवस्था और अमन-शांति को तोड़ने की कोशिश हो रही थी, जैसे ही हमें इसकी जानकारी मिली हमने एक्शन लिया। हम किसी बेकसूर को तंग नहीं करेंगे। हम कोई बदले की राजनीति नहीं करते। मान ने कहा कि वो 3.5 करोड़ पंजाबियों का इस बात के लिए धन्यवाद करते हैं कि इस 35 दिनों में उन्होंने अमन-शांति और आपसी भाईचारे को बनाकर रखा।

देखा जाये तो पंजाब में कृषि का जबरदस्त विकास मुख्यतः हरित क्रांति का परिणाम है, जिसने राज्य में आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी की शुरुआत की। अधिक पैदावार वाले गेहूँ और चावल के बीजों के आगमन के साथ ही इन फसलों के उत्पादन में कई गुना वृद्धि हुई। पंजाब का लगभग समूचा कृषि क्षेत्र सिंचित है और इस प्रकार यह देश का सर्वाधिक सिंचित प्रदेश है। सरकारी नहरें और नलकूप सिंचाई के प्रमुख साधन हैं। यहां के लोग संपन्न एवं मिलनसार होते हैं।

गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस के आईजी (हेडक्वॉर्टर्स) सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि अमृतपाल सिंह के खलिाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की गई है। देर से ही सही, पंजाब पुलिस ने इस उग्र और अराजक खालिस्तानी समर्थक को पकड़ने में सफलता हासिल की। आखिरकार भगोड़े अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी गिरफ्तारी के संदर्भ में यह तथ्य चिंताजनक है कि वह एक गुरुद्वारे में शरण लिए हुए था। आखिर पंजाब के साथ देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने एक चरमपंथी को गुरुद्वारे में शरण क्यों मिली? इस प्रश्न का उत्तर न केवल संबंधित गुरुद्वारे के व्यवस्थापकों को देना चाहिए, बल्कि उन पंथिक संगठनों को भी, जो पंजाब के माहौल में जहर घोल रहे अमृतपाल की निंदा करने की बजाय पंजाब सरकार और पुलिस पर अनावश्यक सवाल उठाने में लगे हुए थे। अमृतपाल के इरादे कितने खतरनाक थे, इसका पता इससे चलता है कि वह खुद को भारतीय नागरिक मानने से तो इंकार करता ही था, अपनी एक निजी सेना बनाने की तैयारी भी कर रहा था। उसके इरादों पर पानी फिरा तो इसीलिए, क्योंकि पंजाब में अब अलगाववादी सोच के लिए कोई स्थान नहीं बचा है।

चंद सिरफिरे मुट्ठी भर तत्व ही खालिस्तान की आवाज उठाते रहते हैं। इन तत्वों को सिर उठाने का अवसर नहीं दिया जाना चाहिए। यह तभी संभव होगा, जब पंजाब के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठन अमृतपाल सरीखे खतरनाक तत्वों के खिलाफ एक सुर में बोलेंगे। जब मामला राष्ट्रीय सुरक्षा का हो तब फिर संकीर्ण स्वार्थों वाली राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी जिस जगह से हुई वो इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि मोगा जिले का रोडे, ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान मारे गए जरनैल सिंह भिंडरांवाले का गाँव है। इसी गाँव में पिछले साल सितंबर में अमृतपाल को 'वारिस पंजाब दे' संगठन का मुखिया बनाया गया था।अमृतपाल सरीखे अराजक, अलगाववादी और विभाजनकारी तत्व की पैरवी करना आग से खेलना है। किसी के लिए भी समझना कठिन है कि विभिन्न पंथिक संगठनों ने उस अराजकता के खिलाफ आवाज उठाने में संकोच क्यों किया, जो अजनाला थाने में अमृतपाल और उसके समर्थकों की ओर से की गई थी। अजनाला में केवल अराजकता ही नहीं की गई थी, बल्कि श्री गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी भी की गई थी। इस बेअदबी की जांच कराने वाले जिस तरह मौन साध कर बैठ गए, उससे वे स्वतः ही कठघरे में खड़े दिख रहे हैं।

अमृतपाल को गिरफ्तार करके डिब्रूगढ़ भेज दिया गया है, लेकिन उससे गहन पूछताछ करने की आवश्यकता है, ताकि यह जाना जा सके कि वह दुबई से अचानक पंजाब किसके इशारे पर आया और किनके सहयोग और समर्थन से उसने पंजाब में अराजकता का माहौल बनाना शुरू किया। यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं हुआ कि पंजाब के कुछ संगठन उसे दबे-छिपे रूप में और कुछ खुले तरीके से समर्थन दे रहे थे। वास्तव में इसी कारण वह भिंडरांवाला के गांव जाकर खुद को एक उपदेशक के रूप में पेश करने में सफल रहा। स्पष्ट है कि उसके समर्थकों को भी कठघरे में खड़ा करने की जरूरत है।

राजनीतिक दल के नेताओं ने अपने-अपने ढंग से इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। केजरीवाल ने लिखा, सीएम भगवंत मान साहिब ने इस मिशन को परिपक्वता और साहस से पूरा किया। बिना किसी रक्तपात और गोली चलाए पंजाब पुलिस ने कामयाबी हासिल की।' आम आदमी पार्टी के ही राज्य सभा सांसद संजय सिंह इस गिरफ्तारी को साहसिक कदम बताया है। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी पर शिरोमणि अकाली दल ने कहा है कि अब पंजाब पुलिस को सिख नौजवानों की बेवजह गिरफ्तारी रोक देनी चाहिए। वहीं, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी में हुई देरी को लेकर पंजाब सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कानून के हाथ लंबे होते हैं। दहशत और भय फैलाने वालों पर कार्रवाई होनी ही चाहिए। थोड़ा ज्यादा समय लगा पंजाब को, ये जल्दी होता तो और अच्छा था।'

वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक दिन पहले ही पंजाब पुलिस की तारीफ करके संकेत दे दिया कि राजनीतिक भेद-मतभेद चाहे जितने भी हों, लेकिन जब बात राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने की हो, तो उनसे ऊपर उठना हम जानते हैं। इस दौरान अकाल तख्त ने जिस बारीकी से धर्म और उसके दुरुपयोग के बीच फर्क को रेखांकित करते हुए खुद को अमृतपाल की करतूतों से अलग किया, वह न केवल सराहनीय है बल्कि आगे के लिए भी मिसाल पेश करता है। सही समय पर दिखाई गई यही सावधानी, गंभीरता और जिम्मेदारी की भावना किसी राष्ट्र की असली ताकत होती है। यह सराहनीय है कि अमृतपाल के मामले में पंजाब और केंद्र सरकार ने आपसी सहयोग और समन्वय का परिचय दिया। यह आगे भी कायम रहना चाहिए।

ललित गर्ग

भारत को रोहिंग्या समस्या से भी निपटना होगा

रोहिंग्या मूलतः म्यांमार पूर्व का बर्मा के रखाइन प्रांत के मूल निवासी अल्प संख्यक समुदाय से संबंध रखते हैं।रखाइन राज्य बांग्लादेश और भारत के पूर्वोत्तर राज्य की सीमाओं से लगा हुआ हैद्य म्यानमार सौ से ज्यादा बहु सांस्कृतिक समाज से बना हुआ है । बौद्ध समुदाय यहां बहुसंख्यक है, और अल्पसंख्यक रोहिंग्या समाज को यह लोग वहां का नागरिक नहीं मानते हैं।म्यानमार सरकार रोहिंग्या समुदाय को राज्य का नहीं मानती आई है। वहां पर इन्हें नागरिकता भी प्रदान नहीं की गई है, इतिहासकारों के अनुसार आठवीं शताब्दी में क्षेत्र में आने वाले अरबी मुसलमानों को रोहिंग्या का नाम दिया गया जो बाद में वहां के प्रभाव के कारण रोहिंग्या बन गया। इनका मूल क्षेत्र अफगानिस्तान ही है, कालांतर में वर्मा नागरिकता कानून 1982 के द्वारा रोहिंग्या मुस्लिम समुदाय को वहां की नागरिकता से वंचित कर दिया गया था। वहां इनको एक पहचान पत्र दिया गया था, जो सभी कामों में इस्तेमाल किया जाता है। रोहिंग्या और म्यांमार के बहुसंख्यक बौद्ध निवासियों के बीच बार बार हिंसक झड़प होती रहती है, इसमें रोहिंग्या मुसलमानों की बड़ी संख्या में मृत्यु भी हुई। 2017 मैं रोहिंग्या और बुद्धिस्ट लोगों के बीच बड़ी हिंसक झड़प के कारण यह एक बड़ी समस्या बन गए अपने जीवन यापन के लिए यह लो म्यांमार से पलायन करने लगे और अपनी जीवन की बेहतरी के लिए बांग्लादेश,मलेशिया ,थाईलैंड इंडोनेशिया और भारत में पलायन किया। इनके पलायन के बाद सभी देशों में अलग-अलग समस्याएं जन्म लेने लगी,बांग्लादेश में लगभग 9 लाख यह समुदाय वर्तमान में रह रहा है ।भारत में ऑपरेशन इंसानियत के नाम पर इन लोगों के लिए राशन चीनी दवाएं कपड़े आदि की सहायता बांग्लादेश सरकार को की थी। बाद में बांग्लादेश सरकार ने रोहिना समस्या के कारण अपने दरवाजे इनके लिए बंद कर दिये, और पिछले दरवाजे से यह रोहिंग्या लगभग 40,000 की संख्या में भारत पलायन करके अवैध रूप से भारत के आसाम प्रांत में रहने लगे हैं। अब ये लगभग देश के अनेक राज्यों में फैलकर निवासरत हैं।इसके अतिरिक्त 14 हजार यह नागरिक संयुक्त राष्ट उच्चायुक्त की सहायता से भारत में वैध रूप से रह रहे हैं,पर भारत सरकार ने इन्हें मान्यता न देकर इन्हें निकालने के प्रति अब अपना अभियान चलाना शुरू कर दिया है। भारत सरकार इनको अपनी आंतरिक सुरक्षा का खतरा मानकर सर्वोच्च न्यायालय में अपनी याचिका दायर भी की है। सरकार का कहना है यह रोहिंग्या पाकिस्तान की आई,एस,आई और कुछ आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा से मिलकर भारत सरकार की गुप्त सूचनाएं इनको प्रदान कर भारत की आंतरिक शांति के लिए खतरा बन गए हैं।इसके अलावा भारत सरकार इसके लिए भी चिंतित है की रोहिंग्या और भारत में रह रहे बहुत के विरुद्ध हिंसा की घटनाएं एक बड़ी चिंगारी का रूप ले सकती हैं ।रोहिंग्या पूर्वोत्तर राज्यों में आतंकवादी घटनाओं के सहायक बन आतंकवाद को फैलाने में धीरे धीरे सक्षम होते जा रहे हैं ।

तथा रोहिंग्या आतंकवादियों के विरुद्ध हवाला के माध्यम से पैसा लेकर आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के प्रमाण भी मिले हैं। ईसी तरह रोहिंग्या थाईलैंड, मलेशिया, सऊदी अरब,बांग्लादेश मैं स्थाई रूप से बस कर वहां विभिन्न समस्याओं को जन्म दे रहे हैं। भारत के परंपरागत दुश्मन पाकिस्तान में लगभग 40, हजार से 2 लाख रोहिंग्या मुसलमान निवासरत है। जिन्हें आतंकवादी गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाता रहा है,इनको म्यानमार से भारत तथा बांग्लादेश में जाने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयास भी किए गए,एवं कई समझौते भी किए गए।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

जागो-जागो युवा जवानों

जागो-जागो मेरे युवा जवानों
जगने का समय अब आया है।
कब तलक तुम सोते रहोगे
अब तो सुबहा-सबेरा आया है।
सुबहा समय मे जो सोवत है
सुनहरा दिन को ओ खोवत है।
भाग्य हमारे हाथों में लिखा है
कर्मो पर ही भविष्य दिखा है।
जीवन को एक संघर्ष बनालो
कठिन समय को सरल बनालो।
पसीना तुम जब-जब बहाओगे
इतिहास तभी तुम रच पाओगे।
संघर्ष हमारा बस एक नारा हो
जीवन भर बस यही प्यारा हो।
राह कठिन हो चलना दूभर हो
बढ़ने का काम जीवन भर हो।
कस लो कमर हिम्मत न हारो
मंजिल पास है अब राह बनालो।
खालो कसम पिछे नही मुड़ना है
हौसलों के पंख लगाके उड़ना है।
जज्बा-ए-जोश दिलो में बसाओ
मन में हौसलों की बाजी लगाओ
हिम्मत कभी नही तुम तो हारोगे
जीवन की बाजी ये तभी जीतोगे।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

कागज की नाँव

मेरी कागज़ की नाव चली,
इधर चली भई उधर चली।
नीली पीली लाल ग़ुलाबी,
होके लहरों पे सवार चली।
कभी कभी खाती है हिचकोले,
कभी सरपट नदी के पार चली।
तैरती तैरती खा जाती है गोते,
देखो दरिया की उलटी धार चली।
करते पानी में छई छपा छई
लेकर बारिश का फ़ुहार चली।
मेरी नाव की खूबी न पुछ दामिनी,
ये तो बीच नदी बिन पतवार चली।

दामिनी ठाकुर
इंदौर-
मध्य प्रदेश

मुझे अच्छा नहीं लगा

मैंने अपने निष्प्राण देह को
लिटायी जाने वाली जगह से
अनुमति माँगी
उसने कहा-मैंने कब मना किया है ?
मुझे अच्छा नहीं लगा।
चिता की लकड़ियों से
मैंने पूछा- कोई ऐतराज ?
बोले- मैंने कभी ऐतराज किया है ?
मुझे अच्छा नहीं लगा।
आग की लपटों को
अँखियाया मैंने-
ठीक से जलनी चाहिए मेरी काया ?
मुस्कुराए निश्चित! शांत !
मुझे अच्छा नहीं लगा।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
बालोद
छत्तीसगढ़

कैसी है हमारी व्यावसायिक सुरक्षा और क्या है स्वास्थ्य खतरे ?

व्यावसायिक दुनिया में गहरा परिवर्तन हो रहा है। सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों और अन्य हितधारकों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे सभी के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य का कार्यस्थल बनाने के अवसरों का लाभ उठाएं। काम पर सुरक्षा और स्वास्थ्य में सुधार के उनके दिन-प्रतिदिन के प्रयास भारत के ठोस सामाजिक आर्थिक विकास में सीधे योगदान कर सकते हैं। विश्व स्तर पर व्यावसायिक दुर्घटनाओं और बीमारियों की रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए हर साल 28 अप्रैल को कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विश्व दिवस मनाया जाता है।

क्या आप व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य को समझने के इच्छुक हैं? यदि हाँ, तो व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा सार्वजनिक स्वास्थ्य की एक शाखा है जो कार्यस्थल की बीमारियों और चोटों के रुझानों की जांच करती है और रोकथाम के तरीकों और कानूनों की सिफारिश करती है और उन्हें लागू करती है। व्यावसायिक खतरों के सबसे प्रचलित प्रकारों में ऊँचाई, बिजली के खतरे, सुरक्षात्मक गियर की कमी, गति की चोटें, टक्कर, जैविक खतरे, रासायनिक खतरे, एर्गोनोमिक खतरे और मनोवैज्ञानिक खतरे शामिल हैं।

व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य विभिन्न कार्यस्थलों में जोखिम को कम करना और समस्याओं की जांच करना है। व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा का क्षेत्र कार्यस्थल के खतरों के उन्मूलन, कमी या प्रतिस्थापन की मांग के लिए नियम बनाता है। ओएचएस कार्यक्रमों में कार्यस्थल की घटनाओं के परिणामों को कम करने के लिए प्रक्रियाएं और कार्यविधियां भी शामिल हैं। यह प्राथमिक चिकित्सा और भारी मशीनरी के सुरक्षित संचालन और संक्रमण की रोकथाम, एर्गोनोमिक सर्वोत्तम प्रथाओं और कार्यस्थल हिंसा प्रतिक्रिया रणनीति को कवर करता है। व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (ओएचएस) सार्वजनिक स्वास्थ्य का एक उपसमुच्चय है जो कार्यस्थल के स्वास्थ्य और सुरक्षा में सुधार करता है। यह कर्मचारी की चोट और बीमारी के पैटर्न की जांच करता है और काम पर आने वाले जोखिमों और खतरों को कम करने के लिए सिफारिशें करता है।

प्रत्येक व्यवसाय में स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम होते हैं, और यह गारंटी देना प्रत्येक नियोक्ता का उत्तरदायित्व है कि उनके कर्मचारी यथासंभव सुरक्षित रूप से अपना काम कर सकते हैं। व्यावसायिक खतरों के परिणामस्वरूप कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। भौतिक जोखिम, रासायनिक खतरे, जैविक खतरे, एर्गोनोमिक खतरे और व्यवहार संबंधी खतरे छह प्राथमिक खतरे श्रेणियां हैं। व्यावसायिक खतरे वे बीमारियाँ या दुर्घटनाएँ हैं जो काम के दौरान हो सकती हैं। दूसरे शब्दों में, कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल पर जिन जोखिमों का सामना करना पड़ता है। एक व्यावसायिक खतरा एक नकारात्मक अनुभव या परिणाम है जो किसी व्यक्ति को उनके काम के परिणामस्वरूप होता है। कुछ शब्दकोशों के अनुसार, यह शब्द उन जोखिमों को भी संदर्भित करता है जिनका लोग अपने शौक पर काम करते समय सामना करते हैं। खतरा एक संभावित हानिकारक या अप्रिय घटना है।

व्यावसायिक खतरे विभिन्न रूपों में आते हैं। खतरों का यह संग्रह काम पर हर समय मौजूद रहता है और उच्च रक्तचाप, तनाव और कैंसर सहित व्यावसायिक बीमारियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए जिम्मेदार है। ऐसे कारक, एजेंट या घटनाएँ जो स्पर्श के बिना या स्पर्श किए बिना नुकसान पहुँचा सकते हैं, शारीरिक खतरों के रूप में जाने जाते हैं। उन्हें या तो पर्यावरणीय या व्यावसायिक खतरों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। रेडिएशन, हीट, कोल्ड स्ट्रेस, कंपकंपी और शोर इसके कुछ उदाहरण हैं। जैविक जोखिम-जैविक खतरे, जिन्हें अक्सर जैव खतरों के रूप में जाना जाता है, जैविक यौगिक हैं जो मनुष्यों और अन्य जीवित प्रजातियों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं। एक जैविक स्रोत से एक विष के नमूने, एक वायरस इस प्रकार के खतरे के उदाहरण हैं। विशेष रूप से, नमूने जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

एर्गोनोमिक खतरा गलत मुद्रा, ऊब, दोहराव, काम की पाली और तनावपूर्ण स्थितियों की आवश्यकता को संदर्भित करता है। एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के कार्यस्थल की पर्याप्तता में एर्गोनॉमिक रूप से हक्र को अपनाना शामिल है। एनेस्थेटिक मशीन, ऑपरेटिंग टेबल, साइड टेबल और मॉनिटर सभी को एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की ऊंचाई पर सेट किया जाना चाहिए। रासायनिक खतरे ऐसे जोखिम हैं जो कार्यस्थल में रसायनों के संपर्क में आने से उत्पन्न हो सकते हैं। पीड़ितों को तत्काल या दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों का अनुभव हो सकता है। सैकड़ों खतरनाक पदार्थों में प्रतिरक्षा एजेंट, त्वचाविज्ञान एजेंट, कैंसरजन, न्यूरोटॉक्सिन और प्रजनन जहर शामिल हैं। खतरनाक यौगिकों में अस्थमा, सेंसिटाइज़र और प्रणालीगत ज़हर शामिल हैं।

जोखिम की मनोसामाजिक प्रकृति-मनोसामाजिक खतरे कार्यस्थल के जोखिम हैं जिनका कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। ये खतरे अन्य लोगों के साथ टीम की स्थिति में कार्य करने की उनकी क्षमता को सीमित करते हैं। जिस तरह से काम बनाया गया, संरचित और प्रबंधित किया गया वह मनोसामाजिक खतरों से जुड़ा हुआ है। रोगियों में मनोवैज्ञानिक या मानसिक हानि या बीमारी होती है। कुछ लोग शारीरिक रूप से चोटिल या बीमार भी होते हैं। कानूनी विनियम, प्रमाणन और पंजीकरण, निगरानी और निगरानी, दुर्घटना की सूचना देना, और कार्य चोट क्षतिपूर्ति सभी कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य का हिस्सा हैं। कार्यस्थल सुरक्षा में सुधार के लिए अपनी जिम्मेदारियों को समझें।

लोगों को उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए कॉर्पोरेट गतिविधि के जोखिमों से बचाएं; स्रोत पर कार्यस्थल जोखिमों को समाप्त करना; और स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में उनका प्रतिनिधित्व करने वाले नियोक्ताओं, कर्मचारियों और संगठनों को शामिल करें। काम की दुनिया में गहरा परिवर्तन हो रहा है। सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों और अन्य हितधारकों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे सभी के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य का कार्यस्थल बनाने के अवसरों का लाभ उठाएं। काम पर सुरक्षा और स्वास्थ्य में सुधार के उनके दिन-प्रतिदिन के प्रयास भारत के ठोस सामाजिक आर्थिक विकास में सीधे योगदान कर सकते हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,
हरियाणा

जीवन के संघर्ष एवं संस्कार का राग है मीत बनते ही रहेंगे

आज दुनिया विभीषिका, विध्वंस एवं विनाश की ओर बढ़ रही। मानवता, संवेदनशीलता, मानवीय मूल्य एवं आदर्श सामाजिक सद्भाव एवं समरसता ताक पर रखे हुए हैं। प्रकृति का शोषण एवं धरा के उदर पर प्रहार जारी है। संस्कृति की संवाहक सरिताओं के सीने पर मशीनें गरज रही हैं। प्रकृति कराह रही है। ऐसे समय में एक संवेदनशील रचनात्मक मन तटस्थ होकर शांत एवं संतुष्ट हो निश्चिंत नहीं हो सकता। उसके मन की वेदना, पीड़ा, कसक तरल होकर शब्दों का आश्रय ले बह निकलती है जिसके तीव्र प्रवाह में स्वस्थ समाज में उग आये अमानवीयता के पठार एवं कंटीली झाड़ियाँ धराशायी हो बह जाती हैं और बचता है समतल उर्वर चेतनायुक्त रचनात्मक फलक जिसमें स्वप्न शब्दों का जामा पहन साकार हो मानवता के पक्ष में शंखनाद करते हैं और सर्जना की बांसुरी से स्वर फूटते हैं ÷मीत बनते ही रहेंगे÷ जो व्यष्टि से समष्टि की यात्रा कर संदेश देते हैं कि मानव के लिए एक सुख, शांति, समृद्धिमय बेहतर दुनिया की रचना करने के भगीरथ प्रयत्न अद्यतन गतिमान हैं।

प्राथमिक शिक्षा में शिक्षिका के रूप में फतेहपुर में सेवारत कवयित्री सीमा मिश्रा की कामायनी प्रकाशन प्रयागराज से प्रकाशित प्रथम काव्य कृति %मीत बनते ही रहेंगे% जीवन के प्रति आशा एवं विश्वास के संदेश की ध्वजवाहक है। उनकी रचनाओं में एक ओर मानवता के प्रति करुणा, मधुरता एवं संवेदना का स्वर सुनाई देता है तो वहीं दूसरी ओर संस्कृति, प्रकृति रक्षण एवं धरा के प्रति अनुराग का प्रकटीकरण भी दिखाई देता है। पावन प्रेम की अभिव्यक्ति है तो स्नेहिल विहान के आगमन का स्वागत भी। दुहिता की खिलखिलाती मुस्कान की आभा है तो उर में सँजोये धरा से धैर्य का प्रकाश भी। स्त्री जीवन के प्रखर एवं धुँधले चित्रों का कोलाज है तो माँ की ममता का स्तवन भी। श्रम की महिमा का गौरव गान है तो पिता के श्रम-श्वेद का अवदान भी। वस्तुतः मीत बनते ही रहेंगे के पृष्ठ जीवंतता, कर्मठता, सहकारिता, मधुरता एवं आत्मीयता के मृदुल रंगों से रँगे हुए हैं जहाँ सुंदर समाज रचना का समता पथ पाठकों को अविराम बढ़ते रहने का आह्वान करता है।

कवयित्री सीमा मिश्रा मानव व्यवहार की खासी पहचान रखती हैं। गीत %गिरगिट सा रंग% में आदमी के बदलते सम्बंध, स्वार्थ और दोहरे चरित्र एवं चेहरों पर ओढ़े मुखौटों को नोचते हुए कहती हैं - आगे बढ़ना दूजों का वह देख न पाते। चुन-चुन शूल बिछाते और मुस्काते जाते।मुस्कानों से आग लगाते आज यहाँ के लोग। गिरगिट सा रंग बदलते आज यहाँ के लोग। अमृत पीकर जहर उगलते आज यहाँ के लोग।।

हिन्दी भाषा आजादी के संघर्ष में स्वराज्य प्राप्ति का माध्यम बनी। जाति-धर्म, ग्राम-शहर, क्षेत्र के भेदों से परे हर भारतीय के हिन्दी भाषा के प्रति प्रेम का प्रकटीकरण दृष्टव्य है - स्वराज्य का मंत्र फूँक कर आजादी की डगर चली। गली मोहल्ले कूक डोलती कोयल की मधु तान भरी। हिन्दी कोमल मन की भाषा देती नव आयाम रे। भारत के माथे की बिन्दी आओ करें प्रणाम रे।। मीत बनते ही रहेंगे के गीतों में भक्ति एवं दर्शन की रसधारा भी प्रवाहित हुई है - जीवन है एक रंगमंच सब खेलें अपना खेला। किरदारों का मंचन प्राणी करता यहाँ अकेला। ओस की बूँद न प्यास बुझाये कूप खोदना पड़ता। भानु द्वारा खटकाते फिर भी द्वार खोलना पड़ता।।

एक अन्य रचना समय की कुछ पंक्तियाँ देखें - समय है वो खिलौना नचाये अँगुलियों पर।कहीं पतझड़ की रंगत दिखाये तितलियों पर। कभी पाने का सुख तो कभी खोने का दुख है। समय बादल के घर सा सजा है बिजलियों पर।।

गीत श्रम का वरण में श्रम के महात्म्य का सुंदर चित्रांकन हुआ है - हाथ का कमाल है कि बोलते पत्थर। भाग्य निर्बल का भी खोलते पत्थर। भगीरथ सा कोई करता श्रम का वरण। तब होता धरती पर गंगा का अवतरण।।

इसी प्रकार परिवार, समाज, प्रकृति, अध्यात्म, सम्बंध, नारी जीवन, ममता, गुरु महिमा आदि विषय क्षेत्रों पर सुंदर मधुर गीत रचे गये हैं। गीतों की भाषा सरल और सहज सम्प्रेषणीय है। प्रतीक एवं बिम्बों का सुंदर अर्थपूर्ण प्रयोग रचनाओं को प्राणवान बना रहा है। कथ्य में प्राचीनता है तो नवलता-धवलता भी। इनकी रचनाओं में जीवन की समस्यायों के समाधान हैं, इनमें सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का स्वर गुंजायमान है। आशा का दीप एक ऐसी ही रचना है - रहे शक्ति के सदा उपासक, बुद्ध के हम अनुयायी। संस्कार के कोमल धागे, शत्रु काट नहिं पाये। जाति धर्म के भेद मिटायें नेह से गले लगाकर हम। आशा का दीप जलाएँगे, द्वारे-द्वारे जाकर हम।।

कवयित्री सीमा मिश्रा की रचनाएँ सुखी, शांतिमय भविष्य की राह दिखाती हैं। झंझावातों से जूझती वह वाणी का माधुर्य बनाये रखने की पैरवी करती हैं - शब्द चिंतन हो अगर तो गीत बनते ही रहेंगे। वाणी में माधुर्य हो तो मीत बनते ही रहेंगे।।

कवयित्री सीमा मिश्रा का मैत्रीभाव का यह पावन संदेश सम्पूर्ण विश्व में सुना, समझा और व्यवहार में लाया जायेगा क्योंकि दुनिया को बचाने एवं सुंदर रहने लायक बनाये रखने के लिए मैत्रीपूर्ण मानवीय आचरण एवं कार्य-व्यवहार के सिवा कोई दूसरा रास्ता नहीं। मुझे पूर्ण विश्वास है %मीत बनते ही रहेंगे% की काव्य-कल्लोलिनी में अवगाहन कर पाठक शब्दामृत का रसपान कर तृप्ति एवं संतुष्टि का अनुभव करेंगे। पुस्तक का आकर्षक आवरण राज भगत ने तैयार किया है। मोटे पीले कागज में सुंदर मुद्रण हुआ है। वर्तनी की त्रुटियाँ नहीं मिलीं। यह कृति साहित्य जगत में समादृत होगी, ऐसा विश्वास है।

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा
उत्तरप्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

अमानक साइलेंसरो के विक्रय की शिकायत पर ऑटो डीलर्स,रिपेयर शॉप दुकानों पर पुलिस की कार्रवाई

» कार्रवाई के दौरान विभिन्न दुकानों से 80 नग अमानक साइलेंसर एवं 20 नग वाहन चालकों से, कुल 100 नग अवैध साइलेंसर किये गए जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

शहर की सडक़ों पर तेज व कर्कश आवाज वाले अमानक सायलेंसरों से आम नागरिकों को होने वाली परेशानियों को संज्ञान में लेकर आईजी राम गोपाल गर्ग के सतत मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में अमानक साइलेंसर के विक्रय एवं उपयोग पर सख्त कार्रवाई कर प्रभावी नियंत्रण करने के निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला के नेतृत्व में चार अलग अलग विशेष टीम का गठन कर नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन एवं विशेष टीमों द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर अलग अलग व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमार कार्यवाही की गई। कार्रवाई के दौरान शहर के मुख्य ऑटो डीलर्स, वाहन पार्ट्स विक्रेता, एवं वाहन रिपेयर शॉप पर सख्त कार्यवाही करते हुए विशेष पुलिस टीम द्वारा सरप्राइज चेकिंग की गई, कार्यवाही के दौरान मालिक ऑटो पार्ट्स गांधी चौक से 9 नग, मालिक ऑटो पार्ट्स से ब्रम्ह रोड से 61 नग, बुलेट राइड प्रतापपुर नाका से 10 नग, कुल 80 नग अमानक साइलेंसर मौके पर जब्त किये गए अन्य ऑटो पार्ट्स दुकानों की भी चेकिंग पुलिस टीम द्वारा की गई जो अमानक साइलेंसर नहीं होना पाया गया दूकान संचालकों को अमानक साइलेंसर विक्रय करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। सरप्राइज चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल के ओरिजिनल साइलेंसर को निकालकर अधिक और कर्कश आवाज वाले अमानक साइलेंसर का उपयोग करते 20 वाहन चालक मौके पर पकडे गए जो मौके पर ही पुलिस टीम द्वारा उक्त साइलेंसरो को खुलवाकर नये साइलेंसर लगाने पश्चात चालानी कार्यवाही करते हुए भविष्य के लिए सख्त हिदायत देकर वाहन चालकों को छोड़ा गया, सरगुजा पुलिस के विशेष अभियान के तहत कुल 100 अमानक साइलेंसर जप्त किये गए हैं,अमानक साइलेंसर विक्रेताओं पर एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे यातायात प्रभारी जयराम चेरमाको, थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग,बस स्टैंड पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अभिषेक पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक संजय गुप्ता, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह, आरक्षक जयदीप सिंह,मंटू गुप्ता, विमल सिंह, उमेश गुप्ता,रुपेश महंत,चंचलेश सोनवानी, सूरज राय,अमित राजवाड़े एवं पुलिस स्टाप शामिल रहे।

सरगुजा पुलिस की अपील

सरगुजा पुलिस ऑटो पार्ट्स दूकान संचालको एवं आमनागरिकों से अपील करती हैं की ऐसे करकश अमानक साइलेंसरो का विक्रय ना करें एवं आमनागरिक इन अमानक साइलेंसर का उपयोग अपने वाहनो मे ना करें,अमानक साइलेंसर विक्रय करते पाये जाने पर एवं उपयोग करने की शिकायत पर सरगुजा पुलिस द्वारा सख्त वैधानिक कार्यवाही की जायगी।

सम्मेलन में श्रम श्री सम्मान से सम्मानित किए जाएंगे 11 श्रमिक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

ट्रेड यूनियन कौंसिल छत्तीसगढ़ द्वारा प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी 1 मई को श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमिक महा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन से पूर्व 27 अप्रैल को ट्रेड यूनियन कौंसिल छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष डॉ. जेपी श्रीवास्तव ने शहर के एक होटल में प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी कि सम्मेलन में श्रमिकों की समस्याओं के निदान पर गहन चर्चा की जाएगी। इस दौरान श्रमिकों को कानूनी जानकारी भी दी जाएगी। साथ ही श्रमिकों के हित में बनी शासकीय योजनाओं तथा श्रमिकों के पंजीयन की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। वहीं सम्मेलन में अति उत्कृष्ट 11 श्रमिकों को श्रम श्री के सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। पत्र वार्ता के दौरान डॉ. जेपी श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रेड यूनियन कौंसिल द्वारा विगत वर्ष अनेक कार्य किए गए हैं। इसमें मजदूरों को उनका भुगतान दिलाना। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग निर्माण कार्य कराने के बाद श्रमिकों को तयशुदा भुगतान नहीं करते हैं।

श्रम दिवस के अवसर पर विधिक की भी जानकारी मजदूरों को दी जाएगी। विधिक के माध्यम से शिविरों में श्रमिकों के उनके कानूनी अधिकारों, शासकीय योजनाओं तथा श्रमिकों के पंजीयन संबंधी विशेष जानकारी दी जाएगी। मध्यान्ह भोजन योजना अंतर्गत कार्यरत रसोइयों को बहुत कम मानदेय दिया जा रहा है। जो कि ये बच्चों के भोजन बनाने में पूरी मेहनत करते हैं। इनका मानदेय मात्र 18 सौ रुपए है। जेपी श्रीवास्तव ने कहा कि कौंसिल के माध्यम से हम लोग मांग करते हैं कि इनका मानदेय कम से कम शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम दैनिक दर के हिसाब से दिया जाए। डॉ. जेपी श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रेड यूनियन कौंसिल द्वारा राष्ट्रीय व प्रांतीय स्तर पर 1 मई को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग लंबे समय से कर रही है। अनेक दिवसों पर शासकीय अवकाश घाषित किए गए हैं पर दुख का विषय है कि श्रमिक दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं हुआ है। कौंसिल मांग करती है कि श्रमिक दिवस पर 1 मई को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए।ट्रेड यूनियन कौंसिल छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दंतेवाड़ा में शहीद हुए जवानों व शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर दो मिनट का मौनधारण कर शोक व्यक्त किया। इस दौरान मौजूद पत्रकारों व यूनियन के सदस्यों ने दो मिनट का मौनधारण कर शोक व्यक्त किया और शहीद जवानों की आत्मा की शांति की प्रार्थीना की। इस दौरान मुख्य रूप से एमआईसी सदस्य द्वितेन्द मिश्रा, पार्षद प्रमोद चौधरी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आरके खरे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मोपेड सवार वृद्ध की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

शहर के शिवधारी कॉलोनी के पास रिंग रोड में बुधवार की रात को अज्ञात वाहन ने मोपेट सवार वृद्ध को टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल वृद्ध को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे जांच के दौरान मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार प्रशांत ढ़ाली उम्र 62 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सरगवां मंझलीपारा का रहने वाला था। वह बुधवार को मोपेट बाइक को सर्विसिंग कराने मिशन चौक गया था। वहां से रात को 8 बजे वापस लौट रहा था। शिवधारी कॉलोनी के पास रिंग रोड में अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में प्रशांत गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सडक़ दुर्घटना में पति की मौत, पत्नी घायल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भागवत कथा सुनने जा रहे दंपति को आमनी कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में पति-पत्नी घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए बैकुंठपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने पति की स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने पति को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार रामस्वरूप साहू उम्र 60 वर्ष प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम रघुनाथपुर का रहने वाला था। बुधवार को रामस्वरूप पत्नी राजकुमारी के साथ बाइक से भागवत कथा सुनने जा रहा था। रास्ते में आमनी कार क्रमांक सीजी 12 आर 4650 ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में पति-पत्नी घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए बैकुंठपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने रामस्वरूप की स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान रामस्वरूप की मौत हो गई।

माताओं के सक्रिय सहभागिता से अंगना म शिक्षा मेले का आयोजन

» अंगना म शिक्षा मेले में नौ काउंटर बना रूचिपूर्ण तरीके से परखा गया बच्चों का स्तर

- संवाददाता -
सूरजपुर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

विकासखंड सूरजपुर के संकुल केन्द्र जयनगर ट्रायबल अंतर्गत संचालित शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ स्कूल में प्रधान पाठक गौतम शर्मा के नेतृत्व और मार्गदर्शन में अंगना म शिक्षा 3.0 अंतर्गत पढ़ई तिहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के छोटे बच्चों को स्कूल में दाखिले से पूर्व घर पर ही रहकर रूचिपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से खेल-खेल में विभिन्न विषयों की पढ़ाई कराकर स्कूल के लिए तैयार करने के उद्देश्य से प्रदेश की महिला शिक्षिकाओं के नेतृत्व में अंगना म शिक्षा कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने बताया कि पढ़ई तिहार अंतर्गत अंगना म शिक्षा मेले का आयोजन कर एक्टिव मदर कम्यूनिटी के सदस्यों और गांव की अन्य माताओं तथा 5 से 6 वर्ष तक के बच्चों को बुलाया गया और उन्हें घरेलू सामग्रियों जैसे सब्जी,फल, फूल, बर्तन, चूड़ी,कपड़े, वेस्ट मटेरियल आदि का उपयोग बच्चों को शिक्षा देने में करने के लिए सिखाया गया।

भाजपा द्वारा किया गया बंद का आह्वान का नहीं दिखा असर

- संवाददाता -
सूरजपुर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जिले में गुरुवार भाजपा द्वारा किया गया आह्वान बंद का बिल्कुल भी असर नहीं दिखा, दरअसल बीजेपी ने जशपुर जिले के बगीचा में संत रामेश्वर गहिरा गुरु के पुत्र के साथ मारपीट किये जाने का आरोप लगाते हुए इसके विरोध में सरगुजा संभाग के जिलों में बंद का आह्वान किया था। वहीं पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा ने भी प्रेस वार्ता कर इस घटना की निंदा करते हुए कार्यवाही की मांग की, और कांग्रेस सरकार पर हमला बोला था, इसके साथ ही लोगों से बंद को सफल बनाने की अपील करते नज़र आये थे। पर सूरजपुर में दुकानदारों ने बंद को समर्थन नहीं दिया, ना ही कोई भी भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी दुकान बंद कराने के लिए निकले, दुकानें सुबह से खुली नज़र आई।

जहां सूरजपुर में बंद पूरी तरह फ्लॉफ शो साबित हुआ। वहीं किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री विमलेश तिवारी ने कहा कि इस घटना के बाद आईजी ने दोषी पुलिस के ऊपर कार्यवाही कर दिया है उसके बाद भी ऐसा करना ठीक नही है, भाजपा मुद्दा विहीन हो चुकी है, जिसका परिणाम आज सूरजपुर में दिख रहा है, जहाँ इनके बंद को जनता ने असफ़ल कर दिया।

गौरतलब है कि जशपुर जिले में सरगुजा क्षेत्र के प्रसिद्ध संत और समाज सुधारक गहिरा गुरु के पुत्र एवं जिला पंचायत सदस्य के साथ कथित रूप से मारपीट करने के आरोप में पुलिस अधीक्षक ने अनुविभागीय पुलिस अधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है और दो आरक्षकों को निलंबित कर दिया है।

क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे आंदोलनरत सचिव

कई प्रकार के जतन कर हारे सचिव संध नही बनी बात

» हड़ताल लम्बा चलने के कारण सचिव भी असमजस की स्थिती में

» मांगे मानने से नही पड़ेगा अधिक आर्थिक बोझः बिहारी लाल साहू अध्यक्ष सचिव संध रामानुजनगर

» हड़ताल स्थल पर नहीं हैं चिकित्सीय सुविधा

- संवाददाता -
सूरजपुर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

अपनी एक सूत्रीय मांग शासकीयकरण को लेकर विगत 1 माह से धरने पर बैठे सचिवों के द्वारा क्षेत्र के विधायक आदि को ज्ञापन सौपने के बाद भी प्रदेश सरकार के द्वारा उचित पहल नही करने के कारण विगत 24 मार्च से सचिव संध के द्वारा पूरे प्रदेष मे क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। क्रमिक भूख हड़ताल में जनपद पंचायत क्षेत्र के सचिवों मे निर्णय लिया हैं कि वे सभी सचिव पॉच-पॉच की संख्या में निरंतर हड़ताल जारी रखेगें। जहाँ एक ओर सचिवों के हड़ताल पर चले जाने के कारण जनपद पंचायत कार्यालय मे भी एक प्रकार से विरानी आ गई हैं क्योंकि विभाग के द्वारा चाही गई जानकारी समय पर उपलब्ध नही हो पा रहा हैं विभाग के द्वारा रोजगार सहायक आदि को कुछ जिम्मेदारी देकर विभाग का कार्य कराये जाने का प्रयास किया जा रहा हैं।

प्रदेषव्यापी आहवान पर सचिवो के द्वारा अपनी मांगों को लेकर ष्षासन से आर पार की लड़ाई लड़ने के मूड मे दिखाई दे रहे हैं , इसके लिए संध के द्वारा आंदोलन की चरणबद्व रूप से रणनीति बना कर तैयार किया गया हैं।

इस संबंध मे सचिव संघ के अध्यक्ष से पुछने पर उनके द्वारा कहा गया कि सचिवों की शासकीयकरण करने से सरकार के उपर बहुत अधिक आर्थिक भार नही पड़ने वाला हैं सरकार को अपनी इच्छा शक्ति और वादा के अनुरूप घोषणा करना हैं किन्तु सरकार बार-बार हमारी मांगो को अनदेखी करती आ रही हैं जिस कारण हमारा यह आंदोलन यदि सरकार मांगों को नही मानती हैं तो विधान सभा चुनाव तक आंदोलन जारी रहेगा और हमारी मांगों को नही मानती हैं तो संध के द्वारा मुख्यमंत्री आवास मे आत्मदाह करने के बाद ही हड़ताल समाप्त होगा।

क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे सचिवों के धरना स्थल पर चिकित्सीय सुधिवा उपलब्ध नही होने के कारण हड़ताल पर बैठे सचिवों को कहना हैं कि अभी मौसम के उतार - चढ़ाव होने के कारण कभी - कभी भूख हड़ताल पर बैठे सचिवों की स्थिती ठीक नहीं रहता हैं फिर भी सचिवों के द्वारा अपने संघ से किये गये वादा अनुसार अपनी परवाह किये बिना भूख हड़ताल को जारी रख रहे हैं। यदि यहॉ पर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध हो जाता तो अधिक अच्छा होता। अब देखना हैं कि क्या स्वास्थ्य विभाग धरना स्थल पर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराता हैं या नही ?

लूट के 2 आरोपियों को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

» घटना में प्रयुक्त बुलेट व मोटर सायकल सहित 2500 रूपये नगदी जप्त

- संवाददाता -
सूरजपुर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

बीते दिन ग्राम खुखरी, चौकी बरिया थाना राजपुर, जिला बलरामपुर निवासी संदीप जायसवाल ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 26 अप्रैल के रात्रि में अशोक साहू, संदीप साहू एवं 1 अन्य व्यक्ति के द्वारा कर्मा चौक के पास पिकअप वाहन को रोकवाकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 15 ए 6889 के शीशा व टायर नलकी को तोड़फोड दिए और 2500 रूपये का लूट कर ले गए। रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 294, 506, 323, 341, 392, 427, 34 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना करते हुए दबिश देकर आरोपी अशोक साहू पिता स्व. दीनानाथ साहू उम्र 35 वर्ष निवासी बड़कापारा सूरजपुर व संदीप साहू पिता राजकुमार साहू उम्र 18 वर्ष 6 माह निवासी महुआपारा सूरजपुर को पकड़ा। पूछताछ पर दोनों आरोपियों अपने 1 अन्य साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बुलेट व प्लेटिना मोटर सायकल व 2500 रूपये नगद जप्त कर दोनों को गिरफ्तार किया है। मामले में फरार 1 अन्य आरोपी की पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर प्रकाश राठौर, एसआई दिनेश राजवाड़े, प्रधान आरक्षक राहुल गुप्ता, आरक्षक सत्यम सिंह, प्रदीप साहू व बृजभुवन सक्रिय रहे।

विश्व प्रयोगशाला प्राणी दिवस एवं विश्व DNA दिवस का आयोजन

- संवाददाता -
वाड्रफनगर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

प्राणी शास्त्र विज्ञान के विभिन्न आयामों को समझने के लिए सदियों से प्रयोगशालाओं में ANIMAL MODEL का उपयोग किया जाता रहा है, परंतु वर्तमान के तकनीकी युग में प्रयोगशालाओं में प्राणियों के अनावश्यक बलिदान को रोकने एवं उनके प्रति समाज को सम्वेदनशील बनाने के लिए विभाग द्वारा world laboratory animal day का आयोजन किया गया द्य आयोजन का उद्देश्य अनुसंधान में प्रयोग होने वाले जीव जंतुओं के प्रति सहानुभूति रखना एवं प्रयोग के लिए वैकल्पिक संसाधनों पर विचार करना रहा द्य विभाग में world DNA day भी मनाया गयाद्य वर्ष 2023 DNA की खोज के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण वर्ष है क्योंकि DNA की संरचना का model अस्तित्व में आए हुए सात दशक पूर्ण हो गए हैं, साथ ही human genome project · को भी पूर्ण हुए दो दशक हो गए हैं द्य कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला ने मुख्य अतिथि के रूप में संबंधित विषय पर अपने विचार एवं अनुभव साझा किए, उन्होंने प्रयोगशालाओं में प्राणियों के उपयोग होने से उनकी संख्या में लगातार कमी आने पर चिंता व्यक्त की। विभागाध्यक्ष डॉ जेरमिना तिर्की ने स्वागत उद्बोधन एवं विषय से संबंधित जानकारी छात्र छात्राओं को दी कार्यक्रम में अन्य विभाग के प्राध्यापकों, डॉ एस के श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष भौतिकी, डॉ एच डी महार, श्रीमती शशिकला सनमानी, ने अपने वक्तव्य के माध्यम से प्रयोगशालाओं में उपयोग होने वाले प्राणियों के वैकल्पिक स्त्रोतों के बारे मे जानकारी दी द्य कार्यक्रम का संचालन श्रीमती गिरिजा सिंह सहा. प्राध्यापक प्राणीशास्त्र एवं श्रीमती मोहिनी तिवारी द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ कविता कृष्णमूर्ति सहा. प्राध्यापक प्राणीशास्त्र द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया उन्होंने पोस्टर, माडल,एवं विषय से संबंधित वक्तव्य प्रस्तुत किया द्यजिसमें प्राणीशास्त्र अंतिम से नेहा खरे एवं आरती, कल्पना, परमेश्वर, मुकेश, नीलेश ने कॉकरोच, पुनर्जन्म हाइड्रा थर्माकोल मॉडल बनाकर प्रस्तुत किया एवं जूनियर से अंशु कुशवाहा ने गोल्ड फिश मॉडल प्रस्तुत किया।और समस्त छात्रों ने सहभागिता प्रस्तुत किया।

SC के आदेश के बाद भी पंजाब में चुनाव को लेकर अनिश्चितता

पाकिस्तान,27अप्रैल 2023। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) उमर अता बंदियाल ने गुरुवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय सत्तारूढ़ गठबंधन को पंजाब प्रांत में चुनाव कराने को लेकर विपक्ष के साथ बातचीत करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि सरकार पास-पास खेल रही है। शीर्ष अदालत के 14 मई को चुनाव कराने के आदेश के बावजूद पंजाब विधानसभा के भविष्य को लेकर अनिश्चतता बनी हुई है। इस बीच न्यायमूर्ति बंदियाल की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की सुनवाई फिर से शुरू की है।

हम केवल संविधान को लागू करने का रास्ता तलाश रहे

हालांकि, बंदियाल ने कहा कि विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। सुनवाई शुरू होने के महज एक घंटे बाद ही स्थगित कर दी गई। उन्होंने कहा, हम किसी पर दबाव नहीं डाल रहे हैं। हम केवल संविधान को लागू करने का रास्ता तलाश रहे हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने विपक्ष के साथ बातचीत को लेकर सरकार की गंभीरता पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा, सरकार ने अपनी सही भावना को दिखाने के लिए क्या कदम उठाए हैं?

ऐसा लगता है पास-पास खेल रही सरकार

देश के एक प्रमुख समाचार पत्र ने न्यायमूर्ति बंदियाल के हवाले से कहा, ऐसा लगता है कि सरकार पास-पास खेल रही है। पिछली सुनवाई में अदालत ने राजनीतिक दलों से 26 अप्रैल को बातचीत करने और हितधारकों को समझौते पर पहुंचने का मौका देने के बाद 27 अप्रैल तक जवाब देने के लिए कहा था। हालांकि, कोई बातचीत नहीं हुई और सरकार ने भी 4 अप्रैल के निर्देश का पालन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, %अगर सरकार बातचीत को लेकर गंभीर होती तो वह खुद प्रयास करती। अदालत सरकार को बातचीत के लिए बाध्य नहीं कर सकती।

अगर मतभेदों को बातचीत के माध्यम से हल नहीं किया गया तो..

उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि राजनेताओं को खुद समस्याओं का समाधान खोजना चाहिए, अगर मतभेदों को बातचीत के माध्यम से हल नहीं किया गया तो संविधान और चुनाव पर हमारा आदेश मौजूद है। शीर्ष न्यायाधीश ने यह भी उम्मीद जताई कि अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी और सरकार के बीच गुरुवार को बातचीत होगी।

पीटीआई ने पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में भंग कर दी थी विधानसभा

पंजाब प्रांत में चुनाव कराने को लेकर सरकार और पीटीआई के बीच गतिरोध चल रहा है। इसी बीच अदालत ने गुरुवार को सुनवाई की। पीटीआई ने 14 और 18 जनवरी को पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा विधानसभाओं को भंग कर दिया था, ताकि सत्तारूढ़ पीडीएम गठबंधन को देश में जल्द आम चुनाव कराने के लिए मजबूर किया जा सके।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में गाना गाकर सबको चौंकाया, बाइडन की प्रतिक्रिया वायरल

वाशिंगटन, 27 अप्रैल 2023। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल आजकल अमेरिका आए हुए हैं। इस दौरान बुधवार को जहां वह उत्तर कोरिया पर आक्रामक दिखे वहीं रात में एक अलग अंदाज में नजर आए। उनके इस अंदाज को देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति भी हैरान रह गए।

यून के लिए व्हाइट हाउस में एक रात्रिभोज रखा गया था। यहां खाना खाने के बाद दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने अचानक से माइक ले लिया और एक अंग्रेजी गाना गाने लगे। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन चकित रह गए।

दरअसल, जो बाइडन, उनकी पत्नी जिल बाइडन ने राष्ट्रपति यून और उनकी पत्नी किम केओन के लिए रात्रि भोज के साथ ही शाम का मजा लेने के लिए संगीतकारों को बुलाया था। जब सभी लोग डाइनिंग रूम में पहुंचे, जहां ब्रॉडवे सितारों नॉर्म लुईस, ली सालॉन्गा और जेसिका वोस्क गाने गा रहीं थीं। तभी दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक-योल ने माइक ले लिया और अमेरिकन पाई का गाना गाने लगे।

यून के गाना गाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

पाकिस्तान में बड़ा हादसा,तीन बच्चों समेत सात लोगों की ट्रेन में जलकर दर्दनाक मौत

इस्लामाबाद,27अप्रैल 2023। पाकिस्तान में एक बड़ा हादसा सामने आया है। दरअसल पाकिस्तान की एक ट्रेन की बोगी में आग लग गई, जिसमें जलकर सात लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। घटना सिंध प्रांत की है। ट्रेन में आग लगने की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है। हादसे की जांच की जा रही है। खबर के अनुसार, घटना बुधवार रात की है, जब कराची से लाहौर जा रही कराची एक्सप्रेस ट्रेन के एक बिजनेस क्लास कोच में आग लग गई।

उच्च स्तरीय जांच के आदेश

पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता मकसूद कुंडी ने बताया कि वह अभी भी इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बोगी में आग कैसे लगी। आग लगने के बाद बोगी को ट्रेन से अलग कर दिया गया। कुंडी ने बताया कि मरने वालों का आंकड़ा सात तक पहुंच गया है, जिनमें तीन बच्चे और एक महिला भी शामिल है। रेल मंत्रालय ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि जैसे ही बोगी में आग लगी तो ट्रेन को टांडो मस्ती खान स्टेशन पर रोक दिया गया। इसके बाद सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पाकिस्तान में ट्रेन हादसों का लंबा इतिहास

पाकिस्तान में ट्रेन हादसों का लंबा इतिहास रहा है। इसकी वजह है कि पाकिस्तान में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर पुराना है और ट्रैक सिस्टम भी अपग्रेड नहीं है। जिसकी वजह से वहां आए दिन हादसे होते रहते हैं। साथ ही पाकिस्तान में गरीब लोग ट्रेन में सफर के दौरान खाना बनाने के लिए अपने साथ गैस स्टोव भी लेकर चलते हैं। इसकी वजह से भी पाकिस्तान में हादसे होते हैं। 2019 में भी ट्रेन में एक गैस स्टोव में विस्फोट के बाद आग लग गई थी, जिसमें 74 लोगों की मौत हो गई थी।

लापता बच्चे के पिता पर टेक्सस पुलिस का एक और आरोप,भारत भागने से पहले चुराए 10 हजार अमेरिकी डॉलर

वॉशिंगटन, 27 अप्रैल 2023। छह साल के लापता बच्चे के भारतीय-अमेरिकी सौतेले पिता पर एक और आरोप है कि उसने अपने नियोक्ता से 10,000 डॉलर की नकदी चुराई और फिर पिछले महीने अपनी पत्नी और अन्य छह बच्चों के साथ भारत भाग गया। माना जा रहा है कि लापता बच्चे की मौत हो गई है। अमेरिका के टेक्सस राज्य की पुलिस ने यह बात कही।

अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाएं भगोड़ेः एवरमैन पुलिस

एवरमैन के पुलिस प्रमुख क्रेग स्पेंसर ने मंगलवार को बताया कि लापता बच्चे के मामले में अर्शदीप सिंह और उसकी पत्नी सिंदी सिंह पर बच्चे को बेसहारा छोड़ने और उसके जीवन को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है। स्पेंसर ने कहा, हम चाहते हैं कि इन भगोड़ों को गिरफ्तार किया जाए और उन्हें अमेरिका प्रत्यर्पित किया जाए ताकि हम नोएल रोड्रिगेज अल्वारेज के लापता होने के सवाल का जवाब मांग सकें।

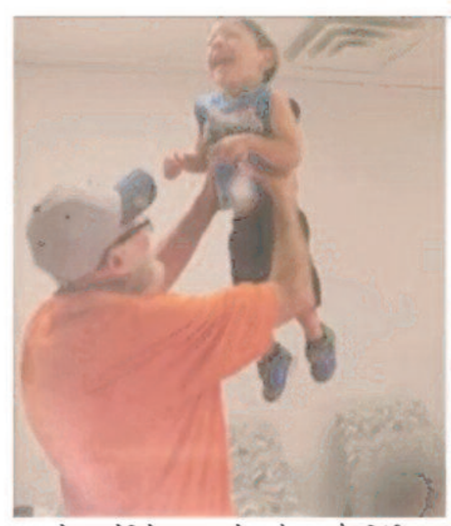

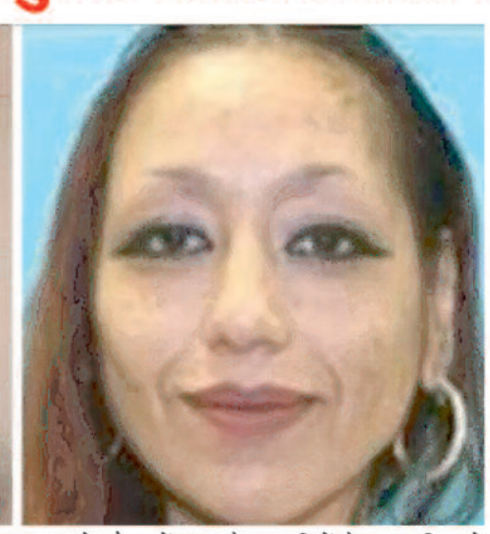

देश छोड़ चुके लापता बच्चे के माता पिता

स्पेंसर ने कहा कि वे अर्शदीप और सिंदी का पता लगाने और उन्हें प्रत्यर्पित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करने के लिए संघीय अधिकारियों पर निर्भर हैं।एक गुप्त सूचना के बाद एवरमैन पुलिस ने मार्च में नोएल के वेलफेयर की जांच शुरू की थी। इसके कुछ दिनों के बाद पुलिस ने कहा था कि उसकी मां और सौतेले पिता देश छोड़ चुके हैं। स्पेंसर ने कहा कि जांचकर्ताओं ने अब लापता लड़के के सौतेले पिता अर्शदीप सिंह के खिलाफ चोरी का एक आरोप जोड़ा है।

दस हजार अमेरिकी डॉलर की नकदी की चोरी का आरोप

स्पेंसर के अनुसार, अर्शदीप सिंह ने पिछले महीने देश छोड़ने से कुछ घंटे पहले सुविधा स्टोरों में उत्पादों की डिलीवरी की और अपने नियोक्ता से 10,000 अमेरिकी डॉलर की नकदी की चोरी को छिपाने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेज बनाए।

एयरलाइन टिकट खरीदने के लिए किया क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल

स्पेंसर ने कहा कि बड़ी जमा राशि की जांच कर रहे जांचकर्ताओं ने कंपनी को फर्जी दस्तावेजों और पैसे के बारे में सतर्क किया। पुलिस ने पुष्टि की कि लड़के के परिवार ने अर्शदीप सिंह, सिंदी सिंह और उसके छह बच्चों के लिए भारत के लिए एयरलाइन टिकट खरीदने के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया था।

बैंक ऑफ इंग्लैंड के अर्थशास्त्री बोले- ब्रिटेनवासी मान लें कि अब वे गरीब हो गए हैं

लंदन,27 अप्रैल 2023। बैंक ऑफ इंग्लैंड के मुख्य अर्थशास्त्री ने ब्रिटेन के लोगों को यह स्वीकार कर लेने की सलाह दी है कि अब उनकी स्थिति पहले जैसी नहीं रह गई। पहले की तुलना में वे गरीब हो गए हैं। बैंक ऑफ इंग्लैंड ब्रिटेन का सेंट्रल बैंक है।

बैंक ऑफ इंग्लैंड के मुख्य अर्थशास्त्री हुव पिल ने कहा है कि इस बात को स्वीकार करते हुए श्रमिकों को अधिक वेतन की मांग छोड़ देनी चाहिए, जबकि कंपनियों को बढ़ी लागत का पूरा हिस्सा उपभोक्ताओं से वसूलने की आदत छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल ब्रिटेन में 'पास द पार्सल' का खेल चल रहा है। इसके तहत कंपनियां और श्रमिक वर्ग दोनों बढ़ी महंगाई का बोझ किसी और पर डालने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन उन्हें अब यह आदत छोड़नी होगी।

कोलंबिया लॉ स्कूल की तरफ से तैयार एक पॉडकास्ट में भाग लेते हुए पिल ने कहा कि ऊर्जा की महंगाई को देखते हुए यह लाजिमी है कि आम लोग अधिक वेतन की मांग करें। उधर, लागत बढ़ने के कारण रेस्तरां मूल्य वृद्धि कर देंगे। लेकिन अब सबको यह बात याद रखनी होगी कि ब्रिटेन प्राकृतिक गैस का एक बड़ा आयातक है, जिसकी कीमत निर्यात से ब्रिटेन को होने वाली आमदनी की तुलना में बहुत अधिक बढ़ गई है। ब्रिटेन मुख्य रूप से सेवाओं (सर्विसेज) का ही निर्यात करता है।

पिल ने कहा- 'आप जिन चीजों को खरीदते हैं, अगर उनकी लागत बढ़ जाती है, तो आपकी स्थिति बदतर होगी ही। लेकिन अब इसे स्वीकार करना होगा कि हालत बदतर हो गई है। वास्तविक खर्च शक्ति को बरकरार रखने की कोशिश अब छोड़नी होगी। लेकिन हम इस हकीकत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं दिखते हैं। हम यह मानने को तैयार नहीं हैं कि हमारी हालत बिगड़ चुकी है और हम सबको इन हालात का बोझ उठाना होगा।'

पिछले साल बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर एंड्र्यू बेली ने भी ऐसी बात कही थी। उन्होंने कहा था कि कर्मचारियों को वेतन बढ़ाने की मांग नहीं करनी चाहिए, ताकि कीमतों को बेकाबू होने से रोका जा सके। तब बेली के इस बयान की कड़ी आलोचना हुई थी। अखबार द गार्जियन ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि अब पिल की टिप्पणियों को भी सख्त आलोचना झेलनी पड़ सकती है। ब्रिटेन में कई क्षेत्रों के कर्मचारी महंगाई को देखते हुए वेतन वृद्धि की मांग कर रहे हैं। इस मांग पर जोर डालने के लिए लगभग रोजमर्रा के स्तर पर हड़तालें होती रही हैं।

बैंक ऑफ इंग्लैंड की आलोचना उसके बड़े अधिकारियों के व्यवहार के कारण भी हुई है। एक तरफ इन अधिकारियों ने आम कर्मचारियों से वेतन वृद्धि की मांग ना करने को कहा है, वहीं खुद उनके वेतन में लगातार बढ़ोतरी हुई है। बेली को 28 फरवरी 2022 को पूरे हुए साल में चार लाख 95 हजार पाउंड का भुगतान हुआ था। पिल को पिछले वर्ष लगभग छह महीनों के लिए 88 हजार पाउंड का अतिरिक्त भुगतान हुआ। इससे उनकी सालाना तनख्वाह एक लाख 80 हजार पाउंड हो गई। जबकि पिछले वर्ष ब्रिटेन में औसत घरों की सालाना आमदनी सिर्फ 32,300 पाउंड रही।

भारत-रूस के रिश्तों पर बोले अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री,कहा-हमें धैर्य दिखाना होगा

नई दिल्ली , 27 अप्रैल 2023। अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने भारत-अमेरिका शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और रूस के रिश्तों पर टिप्पणी की है। यह आयोजन कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष रो खन्ना की ओर से आयोजित किया गया था।

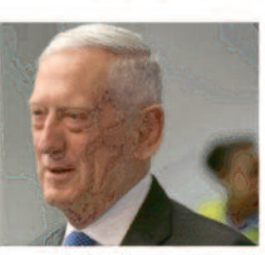

पूर्व अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा- भारत सही दिशा में बढ़ रहा हमें धैर्य दिखाना होगा- अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने कहा कि दिल्ली ने यूक्रेन पर मास्को के हमले का समर्थन नहीं किया है, ऐसे में भारत और रूस के रिश्ते के बीच अमेरिका को रणनीतिक धैर्य दिखाना होगा।उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध मजबूत हुए हैं और तेजी से आगे भी बढ़ रहे हैं। जिम मैटिस ने कहा- ÷हमें धैर्य दिखाना होगा। वे (भारतीय) सही दिशा में बढ़ रहे हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार ने यूक्रेन पर रूस के हमले का समर्थन नहीं किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर बहुत स्पष्ट रहे हैं। भारत को जो आखिरी काम करना है वह यह है कि रूस और चीन की करीबी को देखते हुए उसे रणनीति बनानी होगी। रूस के साथ भारत का संबंध अमेरिका के लिए चिंता की बात नहीं है।

मैटिस बोले- चीन भारत को धमकाने की कोशिश करता रहता है- मैटिस का कहना है कि अन्य क्वाड देशों के विपरित भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूसी हमलों की निंदा नहीं की है। भारत रूसी आक्रमण पर संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर वोटों से दूर रहा है। भारत यूक्रेन में कूटनीति और बातचीत के माध्यम से युद्ध को रोकने की मांग कर रहा है। मैटिस का मानना है कि रूस के प्रभाव क्षेत्र से भारत बाहर निकल रहा है। यह समय भारत पर व्याख्यान देने का नहीं बल्कि उनके साथ मिलकर काम करने का है। एक तरफ जहां भारत के पास पड़ोसी राष्ट्र के रूप में कट्टरपथी परमाणु हथियार वाला पाकिस्तान है तो वहीं दूसरी तरफ चीन है जो भारत को धमकाने की कोशिश करता रहता है।

भारत पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरतः मैटिस

मैटिस ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद इस समय महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के संबंध में एक प्रयास कर रहा है। भारत एक ऐसी जगह है जिस पर हमें ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। यहां हमारे पास बहुत कुछ करने के अवसर हैं। कुछ चीजें हैं जिसे हम चुनौतियों को कम करने के लिए कर सकते हैं। सामूहिक रूप से यही हमें एक मजबूत नींव प्रदान करेगा।

दुनिया के भविष्य के लिए बेहद अहम हैं भारत-अमेरिकी संबंध,अमेरिका के राजदूत का बड़ा बयान

वॉशिंगटन,27 अप्रैल 2023। भारत में नव-नियुक्त अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी का कहना है कि दुनिया के भविष्य के लिए भारत और अमेरिका के संबंध बेहद अहम हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहे हैं और इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। बता दें कि अमेरिकी संसद की इंडिया कॉकस सह-अध्यक्ष रो खन्ना और माइकल वाल्ट्ज ने यूएस इंडिया समिट का आयोजन किया था। इसी आयोजन में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को संबोधित करते हुए एरिक गार्सेटी ने ये बातें कही।

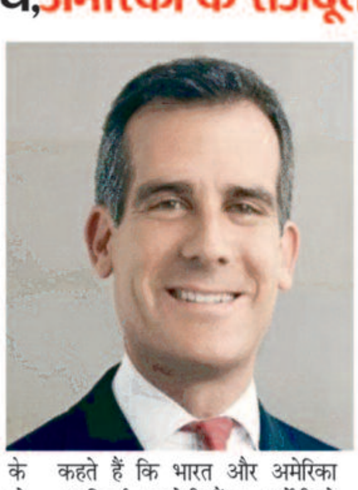

क्या बोले अमेरिकी राजदूत

अपने संबोधन में एरिक गार्सेटी ने कहा कि %दुनिया में ऐसे कुछ ही संबंध हैं, जो भारत और अमेरिका के लिए ज्यादा अहम हैं। हमारा संबंध दुनिया के भविष्य के लिए बेहद अहम है। जैसा कि राष्ट्रपति जो बाइडन कहते हैं कि भारत और अमेरिका अपरिहार्य सहयोगी हैं।% गार्सेटी ने कहा कि %जब मैं भारत के लिए जा रहा था तो मेरी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात में मैंने उनसे भारत अमेरिकी संबंधों को लेकर उनका विजन जानना चाहा तो उन्होंने कहा कि यह समय बेहद नाजुक है और यह पूरी पृथ्वी के लिए बेहद नाजुक समय है साथ ही दोनों देशों के संबंधों के लिए भी अहम समय है।

गार्सेटी ने कहा कि हम दुनिया के प्रमुख लोकतंत्र हैं। हम दुनिया की सबसे बड़ी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। हमें दोनों देशों के लोग आपस में जोड़ते हैं और हम साथ मिलकर 21वीं सदी को दिशा दे सकते हैं।

काफी विवादों में रही थी एरिक गार्सेटी की नियुक्ति

बता दें कि एरिक गार्सेटी को भारत का राजदूत राष्ट्रपति जो बाइडन ने जुलाई 2021 में नामांकित किया था। हालांकि लॉस एंजेलेस का मेयर रहते हुए उन पर अपनी एक सहयोगी के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा, जिसके चलते उनके नाम को संसद से मंजूरी मिलने में करीब दो साल का समय लग गया। इस साल मार्च में अमेरिकी संसद ने 52-42 की वोटिंग से एरिक गार्सेटी के पक्ष में मतदान किया और गार्सेटी का भारत में अमेरिका का राजदूत बनने का रास्ता साफ हो गया।

अगले 33 साल में दस करोड़ से भी कम रह जाएगी जापान की आबादी

टोक्यो , 27 अप्रैल 2023। जापान की आबादी साल 2056 तक घट कर दस करोड़ से नीचे आ जाएगी। अगर प्रति महिला शिशु जन्म दर आज के स्तर पर ही बनी रही, तो साल 2059 तक देश में हर साल जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या पांच लाख से भी कम रहने लगेगी। ये अनुमान टोक्यो स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन एंड सोशल सिक्युरिटी रिसर्च ने लगाए हैं।

इस संस्था ने चेतावनी दी है कि अगर जापान में उत्पादकता नहीं बढ़ी, तो घटती आबादी को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि जापान आर्थिक रूप से एक कमजोर देश बन जाएगा। उसने कहा है कि जापान को या तो आबादी बढ़ाने या फिर उत्पादकता बढ़ा कर आर्थिक वृद्धि की दर बरकरार रखने के लिए तुरंत कदम उठाने होंगे।

जापान में जनसंख्या संबंधी अनुमान में हर पांच साल पर संशोधन किए जाते हैं। ये संशोधन जनगणना से सामने आए आंकड़ों के आधार पर किए जाते हैं। ताजा अनुमान छह साल बाद घोषित हुए हैं। कोरोना महामारी के कारण जनगणना देर से हो सकी, इसलिए समय पर जनसंख्या संबंधी अनुमान सामने नहीं आ सके।

पिछला अनुमान 2017 में जारी हुआ था। तब कहा गया था कि जापान की आबादी साल 2053 तक घट कर दस करोड़ से कम रह जाएगी। अब इसे दो साल आगे खिसकाया गया है, क्योंकि गुजरे पांच वर्षों में बड़ी संख्या में दूसरे देशों से लोग आकर जापान में बसे हैं। 2016 से 2019 तक जापान में औसतन हर साल 70 हजार लोग आकर बसते थे, लेकिन अब यहां आंकड़ा एक लाख 60 हजार तक पहुंच जाने का अनुमान है।

ताजा अनुमान कहा गया है कि अगर सिर्फ जापानी मूल के लोगों की संख्या पर गौर किया जाए, तो यह साल 2048 तक ही दस करोड़ से नीचे आ जाएगी। 2017 में ऐसा 2049 में होने का अनुमान लगाया गया था। ताजा अनुमान यह है कि जापान की आबादी में विदेशी मूल के लोगों की संख्या आगे बढ़ती जाएगी। इसके बावजूद साल 2070 तक जापान की कुल आबादी आठ करोड़ 70 लाख रहेगी, जबकि यह 12 करोड़ 60 लाख है। छह साल पहले जारी अनुमान में बताया गया था कि जापान में प्रति महिला शिशु जन्म दर 1.44 है। ताजा अनुमान में इसे घटा कर 1.36 कर दिया गया है। अगर यही जन्म दर बनी रही, तो साल 2059 में जापान में सिर्फ चार लाख 96 हजार शिशुओं का जन्म होगा। 2022 में देश में आठ लाख से कुछ कम बच्चों का जन्म हुआ था।

जन्म दर गिरने के साथ जापानी समाज में बुजुर्गों का अनुपात बढ़ेगा। 2050 तक कुल आबादी में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या 10 फीसदी से भी कम रह जाएगी। उधर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 38.7 फीसदी हो जाएगी। 2020 में यह संख्या 28.6 फीसदी थी।

क्या जिस वीडियो के वायरल होने से सयुक्त संचालक की हुई थी फजीहत और खुली थी पदोन्नति की पोल,क्या उस पर पर्दा डालने 2 शिक्षकों पर हुई कार्यवाही ?

- प्रधान पाठक पदोन्नति मामले में संयुक्त संचालक सरगुजा कार्यालय की भूमिका संदिग्ध
- प्रधान पाठक पदोन्नति मामले में संयुक्त संचालक सरगुजा द्वारा सूची स्वयं जारी ना कर ब्लॉकों को भेजी गई सूची
- प्रधानपाठक पदोन्नति पदांकन में भ्रष्टाचार का खेल अभी बाकी है
- काउंसलिंग और पदांकन के पश्चात आपसी सामंजस्य से संशोधन के बहाने खेला जा सकता है बड़ा खेल
- मनचाहे स्थान पर पद लेने की कवायद से सेटिंग वाले शिक्षकों से ही छनकर आ रही खबर
- क्या संभाग स्तर पर सूची जारी करने से खुल सकती थी सयुक्त संचालक कार्यालय की पोल ?
- खबरों में पदोन्नति की अनियमितता छपने पर संयुक्त संचालक कार्यालय ने नहीं जारी की पदोन्नति सूची,ब्लॉक स्तर पर भेज सूची
- शिक्षक संघों की भूमिका ताली पीटने वाली,साथियों पर हुई गलत कार्यवाही का विरोध करने की बजाए शिक्षक संघ संयुक्त संचालक को पहना रहे फूलमाला

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 27 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

एक मशहूर फिल्म का विख्यात डायलॉग है कि जब तक अंत खुशी-खुशी ना हो अर्थात हैप्पी एंडिंग ना हो तो पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त। कुछ ऐसा ही हाल सरगुजा संभाग में माध्यमिक शाला प्रधान पाठक एवं शिक्षकों की पदोन्नति से जुड़े मामले में हुआ है, जिस पर प्रक्रिया के पूर्व ही दैनिक घटती-घटना ने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की आशंका जाहिर की थी और शिक्षकों से लाखों की वसूली संबंधित खबर प्रकाशित की थी। बाद में मंत्रालय से काउंसलिंग प्रक्रिया के बाद शिक्षक और प्रधान पाठक पदोन्नति प्रक्रिया को संचालित करने का निर्देश आया, तब यह माना जा रहा था कि सब कुछ पारदर्शी होगा,परंतु खिलाड़ियों के खेल निराले हैं और इतने इनोवेशन और नए नए इजाद तरीकों की खोज तो वैज्ञानिक भी नहीं कर पाते जितने तरीकों से भ्रष्टाचार का खेल कार्यालयों में खेला जाता है पूरी काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान शिक्षकों से मनचाहे स्थान पर पदस्थापना के लिए लाखों की वसूली की गई। जिन शिक्षकों ने लाखों रुपए खर्च किए, उनके लिए पदों को आरक्षित रखा गया तथा काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान वरिष्ठ शिक्षक जो इन स्थानों के हकदार थे, उन्हें इन स्थानों को या तो भरा हुआ दिखाया गया या तो प्रदर्शित ही नहीं किया गया। जिसके कारण वरिष्ठ शिक्षकों को या तो पदोन्नति छोड़नी पड़ी अन्यथा दूरस्थ स्थानों में विकल्प पत्र भरना पड़ा।

ज्ञात हो की सेटिंग वाले लेनदेन करने वाले शिक्षकों को विलोपित किए गए स्थानों को देने की तैयारी थी परंतु अतिउत्साह ने सोशल मीडिया में बधाई संदेश के फलस्वरुप सारे मामले का पर्दाफाश कर दिया जिसकी शिकायत शिक्षकों द्वारा संयुक्त संचालक कार्यालय में की गई। मामले में काफी हंगामा भी हुआ, संयुक्त संचालक महोदय का मामले से संबंधित अभद्रता से पेश आने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया की सुर्खियां बना। एक बार पुनः शिक्षकों को उम्मीद जगी कि शायद मामले की इतनी गहमागहमी के बाद विधिवत जांच होगी और जिन्होंने भ्रष्टाचार का यह खेल खेला उनके विरुद्ध कार्यवाही होगी परंतु विगत दिवस पदोन्नति संबंधी आदेश जारी होने के बाद एक नए तरीके का खेल सामने आ रहा है जिसकी जानकारी और पुष्टि उन शिक्षकों के द्वारा ही की जा रही है जो इस खेल में पैसा देने के बाद मनचाहा पदस्थापना स्थल पाने को आतुर हैं चुंकि शिकायत होने के बाद जिन शिक्षकों से पैसे की उगाही की गई थी या जिन शिक्षकों ने लाखों रुपए वारे न्यारे किए थे, उन्हें पदोन्नति आदेश में सीधे तौर पर तो मनचाहा स्थल नहीं प्रदान किया गया, परंतु आपसी सामंजस्य के जरिए संशोधन का बड़ा खेल खेले जाने की संभावना है जिसकी सुगबुगाहट सुनाई देने लगी है, मामले को समझने और संशोधन के खेल की प्रक्रिया को जानने के लिए आप इन दो उदाहरण को समझिए।

उदाहरण नम्बर 1

सुरेश कुमार कुशवाहा जिनकी पदोन्नति प्रधान पाठक पद पर माध्यमिक शाला तरका विकासखंड भैयाथान में की गई है काउंसलिंग के दिन इनका नाम पुकारे जाने पर यह काउंसलिंग प्रक्रिया से अनुपस्थित थे शाम होते होते सोशल मीडिया में इनके नाम के आगे प्रधान पाठक माध्यमिक शाला बरदिया बनने पर हार्दिक बधाई का पोस्ट प्रसारित होने लगा अब पदोन्नति आदेश में इन्हें माध्यमिक शाला तरका विकासखंड भैयाथान जिला सूरजपुर प्रदान किया गया है वहीं रामकुमार सिंह जिन्होंने माध्यमिक शाला तरका के लिए अपनी सहमति दिया था, उन्हें माध्यमिक शाला बरदिया विकासखंड बैकुंठपुर जिला कोरिया का प्रधान पाठक बनाया गया है चुंकि राम कुमार सिंह माध्यमिक शाला तरका के एवं सुरेश कुशवाहा माध्यमिक शाला बरदिया के आसपास के निवासी हैं अतः सेटिंग के जरिए इन्हें अपने आसपास पदोन्नति ना देकर इनके सेटिंग वाले विकल्पों को आपस में प्रदान किया गया है, ताकि आपसी सामंजस्य के जरिए इन्हें आसानी से एक दूसरे के विद्यालयों में संशोधित किया जा सके ज्ञातव्य हो कि इनकी नामजद शिकायत की गई थी। अब यदि इन दोनो का आपसी संशोधन होता है तो यह तय है की संयुक्त संचालक कार्यालय की भूमिका संदिग्ध है और लेनदेन हुआ है।

उदाहरण नम्बर 2

दूसरे केस में शिवकुमार कुशवाहा जो भैयाथान विकासखंड क्षेत्र से हैं, और काउंसलिंग प्रक्रिया के दरमियान इनकी सहमति माध्यमिक शाला झिलमिली विकासखंड भैयाथान के लिए बनी थी तथा हरवंश साहू जो बैकुंठपुर विकासखंड से है, और सोशल मीडिया के बधाई संदेशों के अनुसार इनकी सेटिंग माध्यमिक शाला खोंड विकासखंड बैकुंठपुर के लिए बनी थी क्योंकि हंगामे के बाद नामजद शिकायत हुआ था कि कनिष्ठ होते हुए भी इन्हें निकटतम विद्यालय कैसे प्रदान किया जा रहा है, अतः इन्हें सीधे तौर पर इनके सेटिंग वाले विद्यालयों के लिए तो पदोन्नति आदेश नहीं जारी किया गया, परंतु तरीका कुछ ऐसा बैठाया गया ताकि सांप भी मर जाए और लाठी भी ना टूटे की तर्ज पर शिवकुमार कुशवाहा को माध्यमिक शाला खोड विकासखंड बैकुंठपुर तथा हरवंश साहू को माध्यमिक शाला झिलमिली विकासखंड भैयाथान में पदस्थापना दी गई है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार और इन्हीं शिक्षकों के बीच से छनकर आ रही खबरों के मुताबिक इन्हें आशान्वित किया गया है कि दो चार दिनों के भीतर आपसी सामंजस्य के जरिए इनकी पदस्थापना स्थल एक दूसरे से बदलकर संशोधित की जाएगी।

संशोधन हुआ तो हो जाएगी पुष्टि

यदि एक-दो दिनों में पदस्थापना स्थल का संशोधन होता है और जैसा कि सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है, यदि उपरोक्त दो प्रकरणों के अनुसार कार्यवाही होती है, तो यकीन मानिए सीधे तौर पर भ्रष्टाचार ना कर पाने के एवज में वसूली किए गए शिक्षकों को संतुष्ट करने का यह एक नायाब तरीका है। जिसकी भनक आम शिक्षक और शिकायतकर्ता तक कभी लग ही नहीं पाएगी, क्योंकि पृथक पृथक आदेश प्रसारित होने की दशा में शिक्षकों को एक दूसरे की जानकारी लग पाना टेढ़ी खीर है। जिन जिन शिक्षकों ने रुपयों के लेन-देन के जरिए पदस्थापना स्थल के लिए अपनी सेटिंग की थी, उन सारे शिक्षकों के साथ इसी प्रकार का पदोन्नति आदेश जारी किया गया है वर्तमान पदोन्नति आदेश से जिन शिक्षकों को सैकड़ों किलोमीटर दूर पदस्थापना स्थल मिला भी है, उनके चेहरे पर शिकन तक नहीं है और वे यह कहते सुने जा रहे हैं कि बस दो-चार दिनों की बात है और संशोधन आदेश पारित होते ही वे अपने मनचाहे विद्यालयों में पदस्थ हो जाएंगे। गौरतलब है कि पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद समस्त प्रक्रिया से संबंधित दस्तावेज उच्च कार्यालयों को तो प्रेषित किए जाते हैं, परंतु संशोधन जैसे दस्तावेजों की जानकारी उच्च कार्यालयों में प्रेषित नहीं की जाती, जिससे उच्च अधिकारियों को इस प्रकार के कृत्यों की जानकारी नहीं हो पाती है और भ्रष्टाचार का यह खेल बड़ी आसानी से चलता रहता है। संज्ञान में आने के बाद जिन भ्रष्टाचार कृत्यों को सीधे तौर पर आदेश प्रसारित कर नहीं किया जा सका, उन्हें संशोधन आदेश के जरिए पूर्ण करने की अपुष्ट खबर सूत्रों द्वारा प्राप्त हो रही है। उपरोक्त दोनों केस पदोन्नति प्रक्रिया में की गई धांधली के बानगी मात्र है यदि आदेशों और वरिष्ठता सूची का अवलोकन किया जाए तो सैकड़ों मामले सामने आ सकते हैं।

क्या पदोनत्ति में भ्रष्टाचार करने न्यायालय से अपने तबादले पर स्थगन ले रखे थे संयुक्त संचालक ?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरगुजा शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक का स्थानांतरण हो चुका था पर उन्हें उन्हें पता था कि पदोन्नति होनी है क्या इस वजह से वह न्यायालय जाकर अपने स्थानतरण पर रोक ले आए थे? जिसके बाद अब जब पदोन्नति में भ्रष्टाचार का आरोप लगने लगा है तो उनके स्थानांतरण से भी पूरे बातों को जोड़कर देखा जा रहा है वहीं सूत्रों का यह भी कहना है अब पदोन्नति हो गई है पूरा खेल हो चुका है अब यह सरगुजा संभाग से चले जाएंगे क्योंकि रोक 30 अप्रैल तक के लिए ही लगी थी, क्या यह रोक ही पदोन्नति में भ्रष्टाचार करने के लिए लिया गया था? यह एक बड़ा सवाल है, सरगुजा शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक अपने ही तबादला आदेश पर न्यायालय से स्थगन ले रखे थे, पूरे पदोन्नति प्रक्रिया में संयुक्त संचालक की भूमिका पूरी तरह संदिग्ध रही और यह स्पष्ट रूप से देखने को मिला की उन्होंने पूरी प्रक्रिया में जमकर भ्रष्टाचार किया जो संशोधन प्रक्रिया के बाद स्पष्ट रूप से खुलकर सामने आएगा। संशोधन करके करोड़ों का लेनदेन पूरा होगा और भ्रष्टाचार को अमली जामा पहनाया जायेगा यह तय ही नजर आ रहा है। संयुक्त संचालक के बारे में यह बताया जा रहा है की अपने ही तबादला आदेश को वह केवल इसलिए न्यायालय जाकर रुकवाने में सफलता हासिल किए क्योंकि उन्हें पदोन्नति में करोड़ों का लाभ हो सके, अब जैसा माना जा रहा है की संशोधन का खेल पूरा कर वह स्वयं अन्यत्र चले जाएंगे जिससे आने वाले समय पर उनपर आंच न आए।

पदोन्नति में पूरा खेल रचकर अब क्या अपने आप को पाक साफ बताना चाहते हैं संयुक्त संचालक ?

पदोन्नति मामले में संयुक्त संचालक ने बड़ी ही चालाकी से खेल रचा और उन्होंने कुछ चुनिंदा सीटों पर जिनपर पोस्टिंग की चाह रखने वालों की संख्या ज्यादा थी पर सेटिंग की गई और लेनदेन तय किया गया। कुछ सीटों पर तो बिना किसी विवाद पोस्टिंग हो भी गई और विरोध को डरा धमकाकर कुचल भी दिया गया लेकिन बैकुंठपुर मामले में विरोध जब खुलकर सामने आ गया और कार्यालय सहित अधिकारियों की चोरी पकड़ी जानी तय हो गई तब संयुक्त संचालक ने बड़ी चालाकी दिखाई और जिन्हे भी पैसों के बल पर मनचाही पोस्टिंग दी जाने वाली थी उनमें में से कुछ की पोस्टिंग बदल दी गई और उन्हे अलग अलग ब्लॉक में भेजा गया साथ ही उन ब्लॉकों के लोगों को बैकुंठपुर ब्लॉक में पोस्टिंग दी गई जिससे बाद आपसी संशोधन दिखाकर मनचाही पोस्टिंग में बदला जा सके और लेनदेन पूरा किया जा सके। वैसे कुछ को जिनकी पोस्टिंग कनिष्ठ होकर भी ब्लॉक में ही हुई है की पोस्टिंग नहीं बदली गई है और वह अपनी मनचाही पोस्टिंग पैसों में दम पर पा चुके हैं ने कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है। अब आपसी सहमति के आधार पर कुछ का संशोधन होगा और भ्रष्टाचार का पूरा खेल पूरा किया जाएगा। कई विद्यालयों में जहां कनिष्ठ की पोस्टिंग हुई है और वही विद्यालय वरिष्ठ को नहीं मिल सके हैं मामले में शिक्षक न्यायालय की शरण में जाने की तैयारी में हैं और ऐसे विद्यालय और शिक्षकों की संख्या कम नहीं है वहीं भ्रष्टाचार का खेल खेलकर भी गलत होकर भी गलत होने का आरोप लगाने वाले दो शिक्षकों को निलंबित कर संयुक्त संचालक खुद को पाक साफ बताने की कोशिश कर रहें हैं और खुद से ही प्रेस विज्ञप्ति जारी कर खुद की वाहवाही प्रकाशित करा रहें हैं,जबकि पोस्टिंग में हुआ खेल जगजाहिर हो चुका है।

जिन स्थानों को काउंसलिंग प्रक्रिया में रखा गया था विलोपित,वहां भी हुआ पदोन्नति आदेश जारी

पूरी काउंसलिंग प्रक्रिया पर सवालिया निशान इसलिए भी उठता है कि जब पदोन्नति की प्रक्रिया चल रही थी, तो कई सारे विद्यालयों को प्रक्रिया के दरमियान रिक्त पदों की सूची में नहीं रखा गया था, अथवा शिक्षकों के समक्ष विकल्प पत्र भरने के दौरान इन विद्यालयों को प्रदर्शित नहीं किया गया था। आज आदेश जारी होने के पश्चात इन विद्यालयों में भी प्रधान पाठकों की पदोन्नति की गई है। जब इन विद्यालयों को पदोन्नति प्रक्रिया में नियमानुसार शामिल ही नहीं किया गया तो इन स्थानों पर पदोन्नति आदेश जारी करना किसी बड़े खेल की ओर इशारा करता है। जब इन विद्यालयों में पद रिक्त था तो इन्हें प्रदर्शित क्यों नहीं किया गया और जब इनमें पद रिक्त नहीं था तो इन विद्यालयों में पदस्थापना कैसे की गई, इन विद्यालयों में बैकुंठपुर ब्लॉक के ही खांडा,भांडी,जैसे विद्यालय भी शामिल हैं,यह एक बड़ा सवाल है। जो भ्रष्टाचार की खबरों की पुष्टि करता है।

कैसे काउंसलिंग प्रक्रिया में अनुपस्थित शिक्षकों को मिली पदोन्नति आदेश?

काउंसलिंग की प्रक्रिया के दौरान सैकड़ों ऐसे शिक्षक जिन्होंने लाखों रुपए के लेन-देन के जरिए मनमाने विकल्प का चयन कर लिया था, उन्हें स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि वे काउंसलिंग प्रक्रिया के दरमियान अनुपस्थित रहें और उनसे विकल्प पत्र गोपनीयता के साथ भरवा लिया जाएगा। जब पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे और शिकायतें दर्ज हुई, हंगामे के बाद जारी आदेश में उन शिक्षकों के लिए भी पदोन्नति आदेश जारी किया गया, जो काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान अनुपस्थित थे या जिनका विकल्प पत्र काउंसलिंग प्रक्रिया के पूर्व अथवा बाद में भरवाया गया। नियमानुसार होना यह चाहिए था कि काउंसलिंग प्रक्रिया में जो शिक्षक अनुपस्थित पाए गए उन्हें पदोन्नति से वंचित रखा जाना चाहिए था। परंतु उन्हें दूर विद्यालयों या दूसरे विकासखंड और जिलों में पदस्थापना का आदेश प्रसारित करना इस बात को बल देता है कि बड़े पैमाने पर पदोन्नति प्रक्रिया में भ्रष्टाचार किया गया है क्योंकि अनुपस्थिति का सीधा तात्पर्य है कि उन्हें पदोन्नति में कोई रुचि नहीं है, तो नियमानुसार उन्हें पदोन्नति आदेश जारी भी नहीं होना चाहिए था।

क्या भ्रष्टाचार का खुलासा ना होने पाए इसीलिए सभी शिक्षकों को अलग-अलग आदेश प्रसारित किए गए ?

सामान्यतः किसी विभाग द्वारा जब असंख्य लोगों के संबंध में किसी प्रकार की कार्यवाही की जाती है, तो एकसाथ आदेश प्रसारित किया जाता है। और एकजाई आदेश का ही परिपालन होता है। यदि कुछ छुपाने की मंशा हो तो एकजाई आदेश प्रसारित करने में मामला गड़बड़ हो सकता है, इसीलिए सभी लोगों को अलग-अलग आदेश दिए जाते हैं। ताकि कोई भी एक दूसरे के बारे में आसानी से जानकारी प्राप्त न कर सके। शायद यही कारण है कि संयुक्त संचालक कार्यालय द्वारा माध्यमिक शाला प्रधान पाठक एवं शिक्षक पदोन्नति में हजारों की संख्या होने के बाद भी पृथक पृथक आदेश प्रदान किया गया है। ताकि आसानी से शिक्षकों को पूरे संभाग की जानकारी ना लग सके और व्याप्त गड़बड़ी तथा भ्रष्टाचार को दबाया जा सके। जब काउंसलिंग प्रक्रिया और पदोन्नति की कार्यवाही पर आरोप लगे और शिकायत दर्ज कराई गई, तब यही मामला सामने आया था कि वरिष्ठ क्रम के शिक्षकों को मनचाहे स्थान का विकल्प पत्र भरने का मौका नहीं मिला, जबकि कनिष्ठ शिक्षकों को लेनदेन के जरिए इच्छा अनुसार स्थान देने की तैयारी की गई थी। यदि समस्त आदेश एक साथ प्रसारित होते तो सभी शिक्षकों को अवलोकन का मौका मिलता। ताकि वे वरिष्ठता क्रम और पद अंकित शाला का मिलान कर सकें। इससे बचने के लिए ही शिक्षकों को पृथक पृथक आदेश प्रसारित किया गया है ताकि वे वरिष्ठता, कनिष्ठता और पद अंकित शालाओं का अध्ययन कर आपत्ति ना लगा सके।

काउंसलिंग प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की वजह से पदोन्नति से वंचित हुए सैकड़ों शिक्षक, मजबूरी में भरना पड़ा विकल्प पत्र

प्रधान पाठक पदोन्नति प्रक्रिया में काउंसलिंग के दरमियान जिन शिक्षकों ने मोटी धनराशि दी थी, उनके लिए पदों को आरक्षित रख लिया गया एवं काउंसलिंग तिथि को उन्हें काउंसलिंग स्थल से दूर रहने का निर्देश दिया गया। जब काउंसलिंग में उनकी बारी आई तो वे काउंसलिंग स्थल पर अनुपस्थित पाए गए। परंतु उनके लिए भी पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। इसके विपरीत वरिष्ठ क्रम के शिक्षक जिन्हें अपने ही विकासखंड में स्थान मिल सकता था, उनकी बारी आने पर समीप के विद्यालयों के पदों को विलोपित या भरा हुआ दिखाया गया, जिसके कारण वे या तो पदोन्नति से वंचित हुए या दूरस्थ विद्यालय लेना उनकी मजबूरी हो गई। सेटिंग और पैसों का लेनदेन करने वाले शिक्षकों के लिए आरक्षित पदों को आवंटित किया जाना था, परंतु सोशल मीडिया में बधाई संदेश चलने के बाद संयुक्त संचालक कार्यालय में हुई शिकायत और हंगामे बाजी के चलते ही आरक्षित पदों पर अन्य विकासखंड या जिले के शिक्षकों हेतु पदोन्नति आदेश जारी किया गया है। जिन्हें आपसी सामंजस्य के द्वारा भ्रष्टाचार की कवायद को पूर्ण करने की पूरी आशंका है।

सूत्र अनुसार पदोन्नति आदेश की विसंगतियों को लेकर न्यायालय जाने की तैयारी में शिक्षक समुदाय

सूत्रों की माने तो प्रधानपाठक पदों की प्रक्रिया में पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद काउंसलिंग प्रक्रिया में विसंगतियों को लेकर पदोन्नति से वंचित एवं वे शिक्षक जो पद रिक्त ना होने की दशा में दूरस्थ स्थानों का विकल्प पत्र भरना मजबूरी बन गया था, न्यायालय जाने की तैयारी कर रहे हैं। क्योंकि काउंसलिंग प्रक्रिया में जब इन शिक्षकों की बारी आई तो संबंधित विकासखंड या निकट के विद्यालयों को भरा बताया गया। मजबूरीवश या तो इन्हें पदोन्नति ना लेने का या दूरस्थ स्थानों में पदोन्नति लेने का विकल्प पत्र भरना पड़ा। जबकि वरिष्ठता क्रम में इनसे नीचे आने वाले शिक्षकों को उन्हीं विकासखंड के समीप के विद्यालयों में पद रिक्त दिखाया गया। साथ ही जिन विद्यालयों को काउंसलिंग प्रक्रिया के दरमियान विलोपित रखा गया था, उन विद्यालयों के लिए भी पदोन्नति आदेश जारी कर दिया गया है। जिससे वंचित शिक्षकों में रोष व्याप्त है, और अपनी शिकायतों पर कार्यवाही ना होती देख ये न्यायालय जाने की तैयारी कर रहे हैं। यहां ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि वरिष्ठता क्रम में ऊपर के शिक्षक जिन्होंने 11 अप्रैल को ही काउंसलिंग में अपने निकट की विद्यालयों का विकल्प पत्र भरा था, पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद इन शिक्षकों को उन विद्यालयों में पदांकन किया गया है, जिन्हें प्रक्रिया में विलोपित रखा गया था। सोचने वाली बात यह है कि जो शिक्षक काउंसलिंग प्रक्रिया के प्रथम दिवस से अपने मनचाहे विद्यालय में पदस्थापना ले लिए थे, उन्हें आदेश में अन्यंत्र क्यों पदांकन किया गया।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष की उपस्थिति व मण्डल अध्यक्ष मनोज साहू के नेतृत्व में बाजार स्थल पर कांग्रेस सरकार का जलाया पुतला

- संवाददाता -
कोरिया/सोनहत,27 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

बुधवार को भाजयुमो कोरिया के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष हितेश प्रताप सिंह का सोनहत मण्डल में प्रथम आगमन हुआ.जहां भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने मण्डल अध्यक्ष मनोज साहू के नेतृत्व में सर्वप्रथम भाजपा कार्यालय के सामने पटाखों, फुल मालाओं के साथ नारा लगाते हुए भव्य व एतिहासिक स्वागत किया. तत्पश्चात लगभग सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ बाईक रैली कर सोनहत के साप्ताहिक बाजार स्थल पहुंचे.इस दौरान भाजयुमो जिलाध्यक्ष के साथ आये प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सतेंद्र राजवाड़े जिला मंत्री कुणाल जायसवाल निरज राजवाड़े का भी स्वागत किया गया।

सोनहत मण्डल में भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल के निर्देश पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष हितेश प्रताप के उपस्थित में भाजपा मण्डल अध्यक्ष ईश्वर राजवाड़े व भाजयुमो मण्डल मनोज साहू के नेतृत्व में पुतला दहन किया गया जिसे पुलिस प्रशासन द्वारा रोकने का प्रयास किया गया लेकिन असफल रहे.उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजयुमो जिलाध्यक्ष हितेश ने कहा कि बीते साढ़े चार सालों में छत्तीसगढ़ आंतकगढ़ बन गया है भूपेश सरकार प्रदेश में विकास कार्य करने में

विफल रही है. प्रदेश में लगातार अपराध में बढ़ोतरी हो रही है जिसे रोकने की बजाय प्रदेश सरकार संरक्षण दे रही है, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता के नाम पर छला जा रहा. रोजगार के मामले में प्रदेश सरकार जिरो हो गई है. प्रदेश के युवा नौकरी के लिए पलायन कर रहे हैं. कई विभाग में हजारों पद रिक्त है लेकिन भर्तियां नहीं कर पा रही भूपेश सरकार जिस जवाब आने वाले चुनाव में युवा देने तैयार बैठे हैं. बीते दिनों सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक संत गुरु स्व गहिराराम जी के सुपुत्र गेंदबिहारी जी को काँग्रेस के इशारे मे पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक उठाया गया है, जो कही ना कही छत्तीसगढ़ मे आपातकाल को दर्शाता है, घोर निंदनीय है स्वर्गीय गहिरा गुरुजी के पुत्र और बगीचा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य गेंदबिहारी को नेतागिरी करते हो कहकर बगीचा पुलिस द्वारा बलपूर्वक उठा लिया गया है,जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के आह्वान मे भ्रष्ट कांग्रेस के इशारे पर काम करने वाली पुलिस प्रशासन के इस दमनकारी नीति को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे हम सब मिलकर काँग्रेस सरकार के इस आपातकाल के विरोध में भ्रष्ट कांग्रेस को उखाड़ फेंकेंगे कांग्रेस के इस करतूत का विरोध पूर्वक पुतला दहन अवश्य हर मण्डल में होगा। सोनहत के भाजयुमो कार्यकर्ताओं द्वारा आज जो स्नेह दिया गया. जिसका मै जीवन भर ऋणी रहूंगा। पुरे कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला मंत्री नवरत्न पांडे अ.ज.जा मोर्चा जिलाध्यक्ष रामप्रताप मरावी उपाध्यक्ष लालमन नेताम मनी लाल सोन पाकर भाजपा मण्डल महामंत्री केपी सिंह भाजयुमो महामंत्री रमेश तिवारी टिकेश्वर उपाध्यक्ष सुरेश राजवाड़े, राजू साहू, दिलीप राजवाड़े, सहादुर प्रकाश राजवाड़े, राजाराम राजवाड़े, मैनेजर भगत, विक्की सारथी, राकेश राजवाड़े, मुकेश महाराणा, आशिष जायसवाल, डाकुन महेश्वर, होलिका राजवाड़े, बाबू लाल, सोमनाथ, चंद्रिका साहू, अनिल जयप्रकाश, गोलू, सूरज, अनूज, संतकुमार राजवाड़े, संजय सैलेन्द, तंनू रिंकु राजवाड़े, भीम राजवाड़े, रणधीर सिंह, रामु भईयालाल, संदीप, अनिल राजवाड़े, संपत प्रजापति, रामू राजवाड़े, महाराणा राजवाड़े, लालजी मिज, दिलीप साहू, सोनू प्रजापति, सहोदर, शंभूदयाल, बुधराम , राम प्रकाश साहु, अजय, सुंदर लाल, कलेश्वर राजवाड़े, विनय यादव, हरी लाल तथा अन्य युवा मोर्चा भाजपा के कार्यकर्ता व आमजन सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

एकेडेमिक हॉइट्स पब्लिक स्कूल में शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़,27 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ शहर के प्रतिष्ठित विद्यालय एकेडेमिक हॉइट्स पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यशाला का सफलतम आयोजन किया गया। देश के सबसे बड़े बोर्ड सी.बी.एस.ई. के निर्देशानुसार सी.बी.एस.ई. से संबद्धता प्राप्त विद्यालय में कैपेसिटी बिल्डिंग के तहत प्रत्येक शिक्षक/शिक्षिका को प्रत्येक वर्ष में सात दिन का प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। इसी के तहत एकेडेमिक हॉइट्स के संचालकों द्वारा इस कार्यशाला को संपन्न कराया गया। एकेडेमिक हॉइट्स के देश भर में 125 से भी ज्यादा शाखाएँ संचालित हैं। जिसका प्रधान-कार्यालय नई दिल्ली में स्थापित है। प्रधान कार्यालय से आए डॉ. प्रभाकरण नायर जो कि एक शिक्षाविद, दूरदर्शी, कई भाषाओं के ज्ञानी तथा राष्ट्रीय प्रमुख प्रशिक्षण ने एकेडेमिक हॉइट्स पब्लिक स्कूल मनेन्द्रगढ़ के शिक्षकों को कई विषयों पर प्रशिक्षण दिया, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, लाइफ स्किल्स, नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क, एक्सपीरियंशियल लर्निंग, काम्पिटेंसी बेस्ड लर्निंग इत्यादि पर विस्तार पूर्वक पी.पी.टी. के माध्यम से शिक्षकों का ज्ञान वर्धन किया। इसी कड़ी में प्रधान कार्यालय से आए गौरव गौर ने 360 डिग्री एप्प का प्रशिक्षण दिया। आज के इस तकनीकी दौर में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का

शिक्षा से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान में वृद्धि अत्यंत आवश्यक है। 360 डिग्री एप एकेडेमिक हॉइट्स के द्वारा विकसित किया गया अपना स्वयं का एप्प है। यह एप शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए उपयोगी है। यह एप्प आने वाले दिनों में ए.एच.पी.एस. के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से सीधे संपर्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। पहले एवं दूसरे दिन डॉ. प्रभाकरण द्वारा शिक्षकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों का कैरियर परामर्श की कक्षाएँ ली गई। डॉ. प्रभाकरण ने विद्यार्थियों को तीव्र गति से बदलती इस दुनिया में ऊँचे मुकाम पर पहुँचकर अपना स्थान निर्धारित करने हेतु मार्गदर्शन किया। तीसरे दिन विशेष रूप से डॉ. प्रभाकरण द्वारा अभिभावक उन्मुखीकरण कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कैसे अपने बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक एवं मानसिक विकास किया जाए, इस विषय पर अभिभावको को जानकारी दिया। सभी अभिभावकों ने इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर डॉ. प्रभाकरण के संवाद का लाभ उठाया तथा अपने बच्चों के सकारात्मक एवं सर्वांगीण विकास के लिए अनेक जानकारियां प्राप्त की। एकेडेमिक हॉइट्स पब्लिक स्कूल मनेन्द्रगढ़ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध एवं प्रतिबद्ध है। जिस विद्यालय के शिक्षक अपने ज्ञान से अपडेटेड हों तथा शिक्षा जगत में हो रहे रिफॉर्मेशन की जानकारी रखते हों, तो निश्चित तौर पर इसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलता है, जो एकेडेमिक हॉइट्स की परम्परा है। इस प्रशिक्षण कार्यशाला को सफल बनानें में विद्यालय के डायरेक्टर्स संजीव ताम्रकार, आशीष कक्कड़, श्री प्रशांत अग्रवाल, श्रीमती ज्योति ताम्रकार, श्रीमती आशी कक्कड़ एवं श्रीमती तोशी अग्रवाल, का अत्यंत योगदान रहा तथा भविष्य में इस प्रकार की कार्यशालाएँ आयोजित करने के लिए आश्वासन दिया गया।

जवानों की शहादत को दरकिनार कर विधायक समर्थक विधायक जिंदाबाद के नारे लगाते रहे

- रवि सिंह -
मनेंद्रगढ़,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

पूरा प्रदेश शोक में था भाजपा कांग्रेस दोनों राजनीतिक दलों ने न तो कोई कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा न ही कोई शोकसभा की बल्कि जब नक्सली हमले जवान शहीद हुए तो कांग्रेस कार्यकर्ता भरतपुर सोनहत विधायक गुलाब कमरो के जय जयकार के नारे लगा रहे थे। देश और प्रदेश नक्सल हमले में 10 जवानों के शहीद होने का मना रहा था शोक तो कांग्रेसी लगा रहे थे विधायक गुलाब कमरो जिंदाबाद के नारे। जनकपुर में विधायक प्रतिनिधि अंकुर प्रताप सिंह कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ लगा रहे थे कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद, विधायक गुलाब कमरो जिंदाबाद के नारे, बस्तर के दंतेवाड़ा में नक्सली हमले में आज 10 जवान हुए है शहीद, एक ओर पूरा देश और प्रदेश नक्सल हमले में मारे गए जवानों को नम आंखों से श्रद्धाजंलि अर्पित कर रहा है वही दूसरी ओर भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी विधायक प्रतिनिधि अंकुर सिंह के नेतृत्व में विधायक गुलाब कमरो जिंदाबाद के नारे लगा रहे है, विधायक गुलाब कमरो के जनकपुर पहुंचने पर यह नारा लगाया गया, जब बस्तर के दंतेवाड़ा में शहीद जावनों के शव बिखरे पड़े थे तब जनकपुर के कांग्रेसी विधायक गुलाब कमरो जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे, सीएम भूपेश बघेल खुद कल अपना कर्नाटक दौरा छोड़कर कल शहीदों के परिजनों से मिलने जाने की जहां घोषणा कर चुके थे ऐसे में एक विधायक और विधायक प्रतिनिधि का ऐसा कृत्य शर्मनाक है जबकि सीएम खुद अपना कल का कर्नाटक दौरा स्थगित कर बस्तर जाने का निर्णय कर चुके थे, ऐसे में यही सवाल उठता है कि क्या विधायक प्रतिनिधि खुद को उनसे भी बड़ा समझ रहे है?

सूत्र बता रहे है की विधायक गुलाब कमरो बुधवार को जनकपुर के रेस्ट हाउस में ग्राम पंचायत सचिव के आत्महत्या मामले में जमानत पर रिहा व हत्या के मामले में जेल में बंद शैलेन्द्र सिंह के पिता ब्लाक कांग्रेस कमेटी भरतपुर के अध्यक्ष रवि प्रताप का जन्मदिन मना रहे थे जैसे ही यह बात लोगों को पता चली यह बात मीडिया तक पहुंच गई है, वहां पर जो फोटो खींचा गया था उसे वायरल करने से सभी को मना किया गया ताकि यह जानकारी मीडिया तक ना पहुंच सके, पर कानो की फुसफुसाहट से बात बाहर आ ही गई।

जवानों की शहादत को दरकिनार कर विधायक समर्थक विधायक जिंदाबाद के नारे लगाते रहे

भरतपुर सोनहत विधायक समर्थक प्रदेश में हुए नक्सली हमले में शहीद जवानों की शहादत को दरकिनार कर विधायक जिंदाबाद के नारे लगाने में इस कदर मशगूल थे की उन्हे यह भी ध्यान नहीं रहा की इसका संदेश समाज में क्या जायेगा। एक तरफ प्रदेश के 10 वीर जवान प्रदेश की सुरक्षा में अपनी जान को निछावर कर चुके थे दूसरी तरफ विधायक समर्थक विधायक को खुश करने विधायक जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। भरतपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वैसे भी विधायक को कम नुकसान नहीं पहुंचाया है,गाहे बगाहे भरतपुर से विधायक समर्थकों की ऐसी ही करनी सामने आती रहती है जो कहीं न कहीं विधायक के नजरिए से उनकी लोकप्रियता के नजरिए से गलत ही होती है और जो उन्हे आलोचनाओं में ले जाने वाली होती है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष और उनके पुत्र पर लग चुके हैं गंभीर आरोप,फिर भी उन्ही के जन्मदिवस कार्यक्रम में शिरकत करते नजर आए विधायक-सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भरतपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के ऊपर ग्राम पंचायत सचिव को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लग चुका है जिसमे वह जमानत पर बाहर हैं वहीं उनके पुत्र पर हत्या जैसा मामला दर्ज है और वह जेल में हैं, क्षेत्र में लोगों के जान माल की सुरक्षा विधायक की भी जिम्मेदारी होती है और विधायक जब स्वयं ऐसे लोगों से घिरे हों जिनपर गंभीर आरोप हों तो समझा जा सकता है की उस जगह की कानून व्यवस्था की स्थिति क्या होगी,विधायक भरतपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के जन्मदिवस आयोजन में पहुंचे थे यह भी बात सामने आ रही है। एक तरफ प्रदेश के 10 जवानों की जहां नक्सली हमले में शहादत हो जाती है वहीं इस घटना से खुद को अनजान बनाकर विधायक की उपस्थिति में कांग्रेसी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का जन्मदिवस मनाने रेस्ट हाउस में इकठ्ठा होते हैं,जन्मदिवस भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है और विधायक जिंदाबाद के नारे भी लगाए जाते हैं, पर मामले से यह भी बात निकलकर सामने आती है की भरतपुर में प्रदेश में नक्सल हमले में शहीद जवानों को लेकर किसी तरह का शोक वहां के कांग्रेसियों में नहीं देखा गया बल्कि सभी अपनी मस्ती में ही मस्त नजर आए।

क्या मुख्यमंत्री ने अपने सभी कार्यक्रम जहां किए रद्द,वहीं विधायक भरतपुर सोनहत जश्न में रहे मशगूल?

मुख्यमंत्री ने अपने सभी कार्यक्रम जहां किए रद्द,वहीं विधायक भरतपुर सोनहत जश्न में रहे मशगूल

प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जहां नक्सल हमले में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने जाने अपने सभी तय कार्यक्रम रद्द कर दिए वहीं भरतपुर सोनहत विधायक एवम उनके समर्थकों ने जश्न मनाना ही उचित माना और भरतपुर रेस्ट हाउस में जश्न मनाया भी। इस पूरे मामले से भरतपुर विधायक और उनके समर्थकों की जवानों को लेकर संवेदनाओं का भी पता चल सका जो जवानों के लिए सहानुभूति वाला बिल्कुल नहीं रहा। कल बस्तर में 10 जवान शहीद हुए।

श्रीराम कथा की तैयारी जोरों पर,प्रचार वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया गया

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

प्रेमाबाग परिसर बैकुंठपुर में आयोजित श्रीराम कथा की तैयारी जोर शोर से की जा रही है,कथा को भव्य रूप देने समिति के सदस्य अपना अहम योगदान दे रहे हैं। बुधवार को श्रीराम कथा के प्रचार वाहन को शिव मंदिर परिसर से झंडी दिखाकर रवाना किया गया यह प्रचार वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर प्रचार करेगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए आयोजक समिति देवराहा बाबा सेवा समिति के अध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने बताया कि आगामी 2 मई से 8 मई तक होने जा रहे श्रीराम कथा की तैयारी युद्ध स्तर पर की जा रही है,पूरे शहर को झंडे,तोरण फ्लेक्सी आदि से सजाया जा रहा है, आयोजन स्थल प्रेमाबाग से लेकर प्रमुख सड़कों में ध्वज लगाए जा रहे हैं। साथ ही परिसर में पंडाल लगाने का काम भी प्रारंभ है। आयोजन के पहले दिन 2 मई मंगलवार को शाम 4 बजे से कलश यात्रा भी निकाली जायेगी इसकी तैयारी भी की जा रही है,श्री शिवहरे ने बताया कि यह अत्यंत सौभाग्य का विषय है की कामदगिरि पीठा धीश्वर रामा नंदाचार्य स्वामी रामस्व रूपाचार्य जी महाराज चित्रकूट धाम के श्रीमुख से कथा सुनने का अवसर प्राप्त होगा उनके साथ साध्वी अमृतानंदमयी मानस समीक्षा प्रयागराज यूपी भी कथा में शामिल होंगी। उन्होंने बताया की बुधवार को प्रचार वाहन को भी ध्वज दिखाकर रवाना किया गया जो कि विभिन्न क्षेत्रों में जाकर प्रचार करेगी इस दौरान अनिल शर्मा, अनिल जायसवाल, आशीष शुक्ला, सुभाष साहू, महेंद्र वैद्य, रुद्र मिश्रा, अनुराग दुबे, राहुल मिश्रा, अभय दुबे, ईश्वर सिंह, बबलू महाजन समेत समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे। शिवहरे ने सनातन प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में कथा एवं कलश यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक

» जिलें के चारों विधानसभा में वक्ताओं के नाम तय, प्रभारी को भेजा जायेगा नाम

- संवाददाता -
कोरबा,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अपनी सक्रियता बढ़ा दी है और कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूती प्रदान करने की कवायद कर रही है। इसी कड़ी में सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में जिला स्तर पर वक्ताओं की नियुक्ति करने का निर्देश प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला के निर्देश पर आज जिला कांग्रेस कार्यालय टी पी नगर में महत्वपूर्ण बैठक राजस्व मंत्री की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें चारो विधानसभा क्षेत्रों के लिए वक्ताओं के नाम तय किये गये। वक्ताओं के चयन हेतु प्रभारी नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी किसी कारणवश बैठक में नही आ पाये। अग्रवाल ने बताया कि सभी नाम तय कर लिये गये है और प्रभारी नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ के उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी को नामों की सूची भेंजी जायेगी। प्रभारी तिवारी द्वारा सूची को प्रदेश कमेटी में रखी जायेंगी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी रायपुर से नामों की घोषणा की जावेगी। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए 30 अप्रैल तक वक्ताओं की नियुक्ति के निर्देश जारी किये है।बैठक को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस के प्रति समर्पित ऐसे वक्ता जो छत्तीसगढ़ सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं पर प्रभावी ढंग से प्रकाश डाल सकें, वही केन्द्र सरकार की वादाखिलाफी, केन्द्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग, देश की सवैधानिक संस्थाओं का निजीकरण, देश में किसानों की स्थिति बनाम छ0ग0 में किसानों की खुशहाली, केन्द्र की बेरोजगारी दर बनाम छत्तीसगढ़ की सबसे कम बेरोजगारी दर आदि विषयों पर प्रभावी ढंग से प्रकाश डालने होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने साढे चार सालों में हर वर्ग की खुशहाली और तरक्की का मार्ग प्रशस्त किया है, जिसे भी वक्ताओं द्वारा जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का प्रयास कर सकेंगे, ऐसे नामों को तय किया गया है। वक्ता चयन बैठक में प्रमुख रूप से महापौर राजकिशोर प्रसाद, जिला कांग्रेस अध्यक्षद्वय श्रीमती सपना चौहान, सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, दुष्यंत शर्मा, राजेन्द्र तिवा सहित कोरबा जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वेदांता की गौरवशाली इतिहास के संरक्षण के लिए संग्रहालय की स्थापना

- संवाददाता -
कोरबा,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

वेदांता एल्यूमिनियम की अनुषंगी कंपनी और देश की प्रतिष्ठित एल्यूमिनियम उत्पादक इकाई भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने बालको संग्रहालय एवं लर्निंग सेंटर की शुरुआत की है। इस पहल के जरिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के रूप में बालको के उद्भव एवं विकास और देश की औद्योगिक प्रगति और एल्यूमिनियम उत्पादन के क्षेत्र में गौरवशाली नेतृत्व और योगदान को प्रदर्शित किया गया है। 18 अप्रैल, 2023 को आयोजित विश्व विरासत दिवस करने की भावना के अनुरूप सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को संरक्षित एवं संवर्धित करने की दिशा में कंपनी द्वारा संग्रहालय में प्रथम धातु उत्पादन एवं प्रचालन संबंधी अनेक उपलब्धियां सुरुचिपूर्ण तरीके से दर्शायी की गई है । बालको के संग्रहालय में रखी वस्तुएं इसकी समृद्ध औद्योगिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं। प्रदर्शित वस्तुओं में शुरुआती दिनों के औद्योगिक व कार्यालयीन उपकरण, खदान से निकले प्रथम बॉक्साइट और उत्पादित एल्यूमिना पाउडर, इनगॉट, रोल्ड शीट और वायर रॉड आदि के मिनिएचर बालको की औद्योगिक यात्रा की गौरव गाथा कहते हैं। संग्रहालय नए भर्ती कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र के तौर पर काम कर रहा है जहां वे भारतीय एल्यूमिनियम उद्योग की प्रगति से रूबरू होकर बालको को विभिन्न क्षेत्रों में अब तक हासिल अनेक उपलब्धियों से प्रेरणा ले सकेंगे। कोरबा में बालको संयंत्र परिसर में स्थापित संग्रहालय का अवलोकन आगंतुकों के लिए यादगार होगा।भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उद्योगों को 'आधुनिक भारत का मंदिर' कहा था। इसी परिकल्पना के अनुरूप 27 नवंबर, 1965 को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के तौर पर बालको की स्थापना की गई ताकि एल्यूमिनियम उत्पादन के क्षेत्र में राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। बालको देश की प्रथम कंपनी है जिसका सफल विनिवेश किया गया। वर्ष 2001 में विनिवेश के बाद 51 फीसदी शेयरों का स्वामित्व वेदांता लिमिटेड के पास है। विनिवेश के बाद अनेक चरणों में विस्तार और अत्याधुनिक तकनीकों के समावेश से बालको का उत्पादन 1 लाख टन प्रतिवर्ष से बढ़कर लगभग 5.75 लाख टन प्रति वर्ष हो गया। वेदांता द्वारा बालको की उत्तरोत्तर प्रगति और प्रचालन उत्कृष्टता में योगदान देश के औद्योगिक इतिहास में मील का पत्थर है।संग्रहालय की स्थापना पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा, अपनी शुरुआत से ही बालको भारत के औद्योगिक विकास का अगुवा रहा है। भारत में एल्युमिनियम क्रांति की इबारत बालको ने लिखी है। कंपनी की स्थापना के छह दशकों में अब तक हुई औद्योगिक प्रगति का इतिहास संग्रहालय में संजोया गया है। इसके जरिए हम सभी को बालको की अब तक हुई प्रगति से अवगत होने का अवसर तो मिला ही, नई बुलंदियों तक जाने की प्रेरणा मिल रही है। हम यह देख सकते हैं कि जिस कंपनी ने बुनियादी उपकरणों व सरल उत्पादों के साथ काम शुरू किया था वह अपनी प्रचालन उत्कृष्टता और दुनियाभर में विस्तृत उपभोक्ताओं के जरिए आज भारत के अग्रणी एल्यूमिनियम उत्पादकों में शुमार है। उत्कृष्ट एल्यूमिनियम उत्पादक के तौर पर हम भारत की विनिर्माण क्षमता को आगे ले जाने तथा देश व दुनिया के लिए उच्च गुणवत्ता वाले एल्यूमीनियम उत्पाद बनाने के लिए समर्पित हैं।

लोक निर्माण विभाग के सड़क किनारे बेजा कब्जा करवाकर दुर्घटना का कर रहा इंतजार

» शिकायत के बाद भी विभागीय अधिकारी-कर्मचारी नहीं कर रहे कार्यवाही

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

लोक निर्माण विभाग के उदासीनता के करण कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। लोक निर्माण विभाग के सड़क किनारे बेजा कब्जाकर दुकान संचालित होने के कारण कभी भी दुर्घटना घटित हो सकती है मामला है खड़गवां के अटल चौंक एवं अन्य रहयासी मकानो का लोक निर्माण विभाग के सड़क पर बेजा कर संचालन कर रहे हैं। बताना लाजमी होगा कि पिछले दो-तीन वर्षो से लोक निर्माण विभाग के उदासीनता के कारण अटल चौंक में आये दिन दुर्घटना हो रही है लगता है लोक निर्माण विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है। सड़क से सटा कर दुकानों का संचालन होने के कारण सड़क पर भीड़ लगा रहता है और दुकान में ग्राहकों के द्वारा पक्की सड़क पर ही अपनी वाहन को खडा किया जाता है जिससे बड़ी गाडियों को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो ट्रक चालकों के साथ बहसा बहसी भी करते देखे जा सकते हैं। अब ट्रक चालक बेचारे क्या करें गाली सुनकर बिना गलती के चले जाते हैं।अटल चौंक से पेट्रोल पंप को जाने का भी रास्ता है और हास्पीटल के सामने बनी दुकानदारो के द्वारा सड़क से सटा कर अवैध अतिक्रमण किया गया है अटल चौक से पेट्रोल पंप की ओर से आन जाने वालों को आर पार नहीं दिखाई देता हैं जिससे हमेशा रहगिरों को दुर्घटना का डर बना रहता है।

अटल चौक डेंजर जोन कहे जाने वाला स्थल के पास के पूराने खंडहर भवन को ग्राम पंचायत के दौरा गिराने के बाद काम्प्लेक्स बना दिया गया है वो भी दो मंजिला जो थोड़ी बहुत कसर वो भी पूरी कर दी? जिसके कारण बड़े वाहनों का दिखाई देना भी बंद हो गया है। अटल चौक से पेट्रोल पंप की ओर जाने वाले मोटरसाइकिल छोटे एवं बड़े वाहनों को काफी परेशानी होती है और दुर्घटना होने की शंका बनी रहती है ये स्थल बहुत ही खतरनाक है मुख्य मार्ग से चारो तरफ आने जाने का रास्ता होने के कारण दुर्घटना की बड़ी संभावना रहती है यहां पर कई छोटी छोटी दुर्घटना हो चुकी है।

मुख्य मार्ग पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य राजस्व विभाग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के सामने हुआ है तब ना ही राजस्व विभाग ने और ना ही लोक निर्माण विभाग ने इस अतिक्रमण पर कोई कार्यवाही नहीं किया गया

ऐसा लगता है कि लोक निर्माण विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है इसी कारण कार्यवाही नहीं कर रहा है। अब देखना होगा कि दुर्घटना के बाद ही लोक निर्माण विभाग नींद से जाग के इस पर कार्यवाही करेंगा?

न्यू कोरबा हॉस्पिटल (NKH) में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी की सुविधाएं प्रारंभ

- संवाददाता -
कोरबा,27 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

हृदय रोग के मामले में अक्सर मरीज को त्वरित जांच और उपचार की सुविधा नहीं मिल पाना उसकी जिन्दगी पर भारी पड़ जाती है। बड़े शहर की दौड़

और दूसरे जिले के अस्पताल तक पहुंचने में लगने वाला वक्त हृदय रोगी के लिए कई बार भारी पड़ जाता है। इस तरह की समस्या के दृष्टिगत हृदय रोग के मामले में प्रमुख जांच की सुविधा अब कोरबा एनकेएच हॉस्पिटल के प्रबंधन की विशेष पहल तथा एसएमसी कार्डियक सेंटर रायपुर के सहयोग से 28 अप्रैल शुक्रवार से प्रारम्भ होने जा रही है। हृदय रोग का जांच व उपचार के साथ साथ एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी की सुविधाएं भी एनकेएच में मिलेंगी। यहां हृदय रोग से संबंधित जाँच 24 घंटे विशेषज्ञ डॉक्टरो की टीम के साथ ये सुविधायें उपलब्ध रहेंगी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ.ग.

ई:प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

जिला जल एवं स्वच्छता सरगुजा की ओर कार्यपालन अभियंता सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा एकीकृत पंजीयन व्यवस्था के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित जल जीवन मिशन अन्तर्गत (पम्प स्थापन, टंकी निर्माण एवं पाईप लाईन कार्य तथा अन्य कार्य) हेतु पत्र 'अ' (प्रतिशत दर) ऑनलाईन निविदा आमंत्रित निम्न निविदाओं में परिवर्तन की जाती है।

क्र.	दिनांक	निविदा	सिस्टम क्रमांक	लागत (रू.लाख में)	अंतिम तिथि
01	14.04.2023	01	130656	205.55	01/05/2023
02	14.04.2023	02	130949	200.85	01/05/2023
03	14.04.2023	03	130962	297.94	01/05/2023
04	18.04.2023	04	130102	158.42	01/05/2023
05	18.04.2023	05	131244	212.96	01/05/2023

निविदा की बाकी शर्ते यथावत रहेंगी:-

बिड संबमिशन की अंतिम तिथि :- निविदा क्रं. 01, 02, 03, 04 एवं 05 की दिनांक 08.05.2023 समय:- 17.30 बजे तक।

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा के सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञाप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल (https://eproc.cgstate.gov.in) में दिनांक 19.04.2023 पर देखी जा सकती है।

जी.नं.-00589/2

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
अम्बिकापुर

कार्यालय कलेक्टर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

एवं पदेन उप सचिव छ0ग0 शासन,राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

क्रमांक/1023/अ-82/भू-अर्जन/2022 बलरामपुर,दिनांक 21/02/2023

चूँकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की बायपास सड़क निर्माण योजना अंतर्गत ग्राम रजखेता हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकारी अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम, 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत् यह घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:-

:: अनुसूची::

भूमि का वर्णन:-
1. जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज
2. तहसील- वाड्रफनगर
3. ग्राम/नगर - रजखेता
4. भूमि का क्षेत्रफल - 1.14 हे0

खसरा नंबर	खकबा (हे0 में)	खसरा नंबर	खकबा (हे0 में)
1073	0.02	1292	0.06
1074	0.02	1299	0.05
1076/1	0.08	1294/1	0.11
1083	0.04	1302	0.01
1085/1	0.19	1076/2	0.05
1085/2	0.04	1086	0.05
1089/1	0.06	1098/1	0.04
1089/3	0.01	1098/2	0.06
1089/2	0.07	1300	0.08
1089/4	0.04	1303	0.06
	कुल खसरा 20, कुल रकबा 1.14 हे0		

2. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वाड्रफनगर के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. उक्त भूमि अर्जन में किसी भी व्यक्ति भी व्यक्ति का विस्थापन निहित नही है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(दीपक कुमार निकुंज)
अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
एवं भू-अर्जन अधिकारी वाड्रफनगर

(विजय दयाराम के.)
कलेक्टर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी.नं.-00632/1

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला सरगुजा,छ.ग

रा.प्र.क्र-../अ-6/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हनुमान सिंह आ0 विक्रम सिंह, व अन्य 01, जाति क्षत्रिय, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सरगवां स्थित संयुक्त खाते की भूमि खसरा नंबर 828 रकबा 0.400 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीकृत हक त्यागनामा दिनांक 27/02/2023 के आधार पर हकत्यागकर्ता / अनावेदिका गुलाब देवी पति विक्रम सिंह, निवासी डी0सी0 रोड अम्बिकापुर का नाम विलोपित कराने हेतु ऑनलाईन नामांतरण पंजी के माध्यम से नामांतरण की कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया था। नामांतरण कार्यवाही के दौरान हल्का पटवारी द्वारा साक्ष्य की आवश्यकता उल्लेखित करने के कारण विधिवत नामांतरण हेतु राजस्व न्यायालय ई-कोर्ट के माध्यम से दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/05/2023 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपसिथत होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

ऋचा,जेमी को श्रेणी बी में पदोन्नत किया गया

शिखा और तानिया बाहर हो गईं

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष और जेमिमा रोड्रिग्स को 2022-23 सत्र के लिए बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में बी श्रेणी में रखा गया है जबकि शिखा पांडे और तानिया भाटिया को बाहर कर दिया गया है।
अनुबंध की अवधि अक्टूबर से सितंबर तक चलती है लेकिन बीसीसीआई ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।
ए श्रेणी के खिलाड़ी को मैच फीस के अलावा 50 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है और बी और सी श्रेणी के लिए क्रमशः 30 लाख रुपये और 10 लाख रुपये आवंटित किए जाते हैं।
बोर्ड ने केवल तीन खिलाड़ियों को सर्वोच्च श्रेणी में रखा है और उनमें कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शामिल हैं। तीनों को एक ही श्रेणी में रखा गया है जबकि स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ को बी श्रेणी में गिरा दिया गया है। लेग स्पिनर पूनम यादव, जो पिछले साल ए श्रेणी में थीं, पेकिंग क्रम में नीचे गिरने के बाद उनका कोई अनुबंध नहीं है। वह आखिरी बार मार्च 2022 में भारत के लिए खेली थी।

अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप के लिए आश्चर्यजनक वापसी की थी, खुद को अनुबंध के बिना पाती हैं और इसी तरह विकेटकीपर तानिया भाटिया भी हैं।
बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध- रेणुका ठाकुर को श्रेणी बी अनुबंध सौंपा गया
तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर, जिनके पास पिछले साल कोई अनुबंध नहीं था, को शानदार सीजन के बाद सीधे बी श्रेणी में रखा गया है।
ऋचा घोष और जेमिमा रोड्रिग्स सी से बी कैटेगरी में आ गई हैं। श्रेणी सी में नए खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज मेघना सिंह, बल्लेबाज देविका वैद्य, सलामी बल्लेबाज एस मेघना, राधा यादव, बाएं हाथ की तेज गेंदबाज अंजलि सरवानी और बल्लेबाज यस्तिका भाटिया शामिल हैं।
हरलीन देओल और स्नेह राणा सबसे निचली श्रेणी में हैं, जबकि चोटिल हरफनमौला पूजा वस्त्राकर को बी से सी में अवनत कर दिया गया है।
पिछले साल महिला क्रिकेटरों को समान वेतन देने की घोषणा करने वाले बीसीसीआई ने अनुबंधित खिलाड़ियों की संख्या 17 रखी है।
पूरी सूचीः श्रेणी एःहरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधा और दीप्ति शर्मा।
श्रेणी बीःरेणुका ठाकुर, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, ऋचा घोष, राजेश्वरी गायकवाड़।

परिणामों का पालन करेंगे,भारत की वापसी के बाद अजिंक्य रहाणे की पहली प्रतिक्रिया वायरल हुई

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023। अजिंक्य रहाणे आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए बिल्कुल अलग रूप में दिखे और अपनी टीम के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक बन गए। रहाणे ने सीएसके बनाम केकेआर 2023 मैच में 244.82 की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 29 गेंदों पर 71 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल हैं।
अजिंक्य रहाणे भारतीय टेस्ट टीम के उन मुख्य खिलाड़ियों में शामिल थे जो खराब फॉर्म के कारण बाहर हो गए थे। हालांकि, उनके हालिया फॉर्म को देखते हुए चयनकर्ता एक बार फिर उनके पास चले गए हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 जून, 2023 से खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के 15 सदस्यीय टीम में उनका नाम रखा है।

यह महसूस किया है कि यात्रा हमेशा सुगम नहीं होती

जैसे ही दाएं हाथ का भारतीय बल्लेबाज भारतीय टीम में लौटा, वह अपने लिंक्डइन प्रोफाइल पर गया और उसी के बारे में अपने विचार व्यक्त किए, ÷एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में मेरे करियर में, मैंने महसूस किया है कि यात्रा हमेशा सहज नहीं होती है। ऐसे क्षण होते हैं जब चीजें

योजना के अनुसार नहीं होती हैं, और परिणाम से परेशान होना आकर्षक हो जाता है। हालांकि, मैंने सीखा है कि प्रक्रिया से चिपके रहना जरूरी है और परिणाम को हमारे ध्यान को प्रभावित नहीं करने देना चाहिए,
अजिंक्य रहाणे ने लिंक्डइन पर लिखा। ÷जब मैं अपने करियर पर नज़र डालता हूं, तो मुझे एहसास होता है कि प्रतिकूल परिणाम के बावजूद जब मैं प्रक्रिया से जुड़ा रहा, तो वे क्षण थे जिन्होंने मुझे सबसे अधिक सिखाया। ये ऐसे क्षण हैं जिन्होंने मुझे एक व्यक्ति और एक क्रिकेटर के रूप में विकसित होने में मदद की। मैंने महसूस किया कि जिस समय मैं परिणाम को अपने दृष्टिकोण को निर्धारित करने देता हूं, वह मेरे बेहतरीन क्षण नहीं थे, रहाणे ने जारी रखा।
पूर्व भारतीय उप-कप्तान ने यह भी बताया कि वह कुछ स्थितियों में दबाव को कैसे संभालते हैं और यह भी कि वह प्रशंसकों की अपेक्षाओं से कैसे निपटते हैं।
प्रक्रिया से चिपके रहना न केवल क्रिकेट में बल्कि किसी भी क्षेत्र में आवश्यक है जो उत्कृष्टता की मांग करता है। यह हमें उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं और अपने कार्यों का स्वामित्व ले सकते हैं। जब हम प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो हम अभिभूत नहीं होते हैं। परिणाम से, और यह हमें अपने लक्ष्यों की दिशा में काम करते रहने के लिए प्रेरित करता है, अजिंक्य रहाणे ने कहा।

चोट के कारण वाशिंगटन सुंदर आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023। सनराइजर्स हैदराबाद के हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बृहस्पतिवार को आईपीएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए जिससे खराब फॉर्म से जूझ रही उनकी टीम को एक और झटका लगा है।

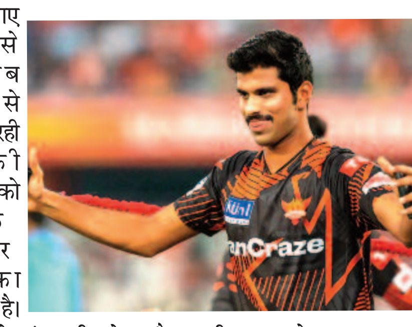

टीम ने सुंदर की चोट और बाकी सत्र के लिये उनके उपलब्ध नहीं होने की जानकारी दी।
टीम ने ट्वीट किया ,' वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण आईपीएल 2023 के बाकी मैच नहीं खेल सकेंगे। उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना।''
सुंदर ने अभी तक सात मैचों में 8.26 की इकॉनामी से तीन विकेट लिये और 60 रन बनाये। सनराइजर्स सात मैचों में महज दो जीत के बाद दस टीमों में नौवे स्थान पर है।

आंद्रीवा की पहली जीत, राडुकानू ने नाम वापिस लिया

मैड्रिड ,27 अप्रैल 2023। रूस की 15 वर्षीय मिरा आंद्रीवा ने डब्ल्यूटीए टूर पर पहली जीत दर्ज करते हुए पूर्व अमेरिकी ओपन उपविजेता लैला फर्नांडिस को 6 . 3, 6 . 4 से हराकर मैड्रिड ओपन के अगले दौर में जगह बनाई। कोको गॉ और सिसि बेलिस के बाद डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट का मुख्य ड्रॉ का मैच जीतने वाली वह तीसरी सबसे युवा खिलाड़ी बन गई। इसके अलावा शीर्ष 50 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराने वाली 15 वर्ष की दूसरी खिलाड़ी भी बन गई। अब उसका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त ब्राजील की बिया हदाद माइया से होगा।

ब्रेंडा फरूविर्तोवा को अन्ना कालिंस्काया ने 2 . 6, 6 . 4, 6 . 4 से हराया लेकिन उससे एक साल बड़ी उसकी बड़ी बहन 17 वर्षीय लिंडा ने कैटी वोलिनेट्स को 6 . 3, 7 . 5 से मात दी। अब उसका सामना फ्रेंच ओपन 2017 चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको से होगा। पूर्व अमेरिकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडुकानू ने दाहिने हाथ की चोट के कारण नाम वापिस ले लिया। उनकी जगह 'लकी लूजर' जूलिया ग्राबेर ने ली जिसने विक्टोरिया तोमोवा को 6 . 1, 7 . 6 से हराया। अमेरिका की स्लोएने स्टीफेंस को जाकलिन क्रिस्टियन ने 5 . 7, 6 .4, 6.4 से हराया जबकि यूजीनी बूचार्ड ने डायना वाय को 6 . 7, 6 . 2, 6 . 2 से मात दी।

एशियन गेम्स की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023। भारतीय महिला हॉकी टीम चीन के हांगझू में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के सिलसिले में पांच मैचों की श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। भारतीय टीम का यह दौरा 18 मई को शुरू होकर 27 मई को समाप्त होगा। भारतीय टीम पहले तीन मैचों में ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम का सामना करेगी जबकि अंतिम दो मैच ऑस्ट्रेलिया ए टीम से खेलेगी। सभी मैच एडिलेड में खेले जाएंगे। भारत अपना पहला मैच 18 मई को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा जबकि इसके बाद अगले दो मैच 20 और 21 मई को खेले जाएंगे। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया ए से 25 और 27 मई को मैच खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई महिला हॉकी टीम अभी विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है जबकि भारतीय टीम आठवें स्थान पर है। भारतीय टीम का यह दौरा एशियाई खेलों की तैयारी के सिलसिले में आयोजित किया जाएगा जिनका आयोजन इस साल सितंबर अक्टूबर में होना है। भारतीय कोच यानेके शोपमैन ने इस दौरे के बारे में कहा,'' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर खेलने से हमें यह आकलन करने में मदद मिलेगी कि हम दुनिया की चोटी की महिला टीमों के सामने किस स्थिति में हैं।

''उन्होंने कहा,'' सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह श्रृंखला चीन में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण होगी क्योंकि इससे हमें यह पता करने में मदद मिलेगी कि हमें किन विभागों में सुधार और बदलाव करने की जरूरत है। इसलिए यह श्रृंखला हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी।'' भारत ने पिछले साल दिसंबर में एफआईएच महिला नेशंस कप में मेजबान स्पेन को हराकर खिताब जीता था और वह इस प्रदर्शन से प्रेरणा लेकर बढ़े मनोबल के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। भारतीय टीम अभी बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) परिसर में अभ्यास शिविर में भाग ले रही है।

आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जेसन रॉय पर जुर्माना

नई दिल्ली,27 अप्रैल 2023। बेंगलुरु कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज जेसन रॉय पर यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का दस प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ केकेआर को 200/5 तक पहुंचाने के लिए 29 गेंदों में 56 रन बनाने वाले इंग्लिश ओपनर ने आउट होने के बाद गुस्से में एक गिल्लियां मारने के बाद उल्लंघन को स्वीकार किया है।आईपीएल ने एक बयान में कहा, श्री रॉय ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी है।

बड़े स्तर पर हो रही फाइटर के क्लाइमैक्स सीन की तैयारी,ऋतिक-दीपिका इतने घंटे करेंगे शूटिंग

शाहरुख खान अभिनीत %पठान% की जबर्दस्त सफलता के बाद सिद्धार्थ आनंद अब अपनी अगली फिल्म फाइटर को लेकर चर्चा में हैं। इसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर जैसे सितारे नजर आएंगे। फाइटर एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। खासतौर से इस फिल्म के क्लाइमैक्स को शानदार बनाने के लिए मेकर्स कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।
%फाइटर% को भारत में पहली एरियल फ्रेंचाइजी माना जा रहा है। फिल्म की शूटिंग पिछले साल असम एयरबेस पर शुरू हुई थी। मेकर्स हर तरह से इस फिल्म को परफेक्ट बनाने में जुटे हैं। कहा जा रहा है कि फाइटर का क्लाइमैक्स सीन इस फिल्म की सबसे बड़ी हाईलाइट बनने जा रहा है।
दर्शकों को टिकट का पैसा वसूल कराने और फिल्म देखने का अनुभव शानदार बनाने में सिद्धार्थ आनंद कोई कमी नहीं रखना चाहते। इसके लिए सिद्धार्थ आनंद और उनकी एक्शन टीम ने पूरी कमर कस ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक क्लाइमैक्स की शूटिंग 120 घंटे तक की जाएगी।
रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में क्लाइमैक्स सीन 25 मिनट का होगा। इसके लिए ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर को 120 घंटे तक शूटिंग करने के लिए समय अलॉट किया गया है। बता दें कि फिलहाल फिल्म की शूटिंग मुंबई में चल रही है। इसके बाद वीएफएक्स प्रक्रिया शुरू होगी। यह फिल्म अगले साल रिपब्लिक डे के मौके पर रिलीज होगी।
बात सिद्धार्थ आनंद की करें तो सलाम नमस्ते, ता रा रम पम और अनजाना अनजानी जैसी रोमांटिक फिल्मों के अलावा वह बैंग बैंग, वॉर और पठान जैसी एक्शन फिल्मों के जरिए भी खुद को साबित कर चुके हैं। पठान के बाद तो दर्शकों की उम्मीदें भी सिद्धार्थ आनंद से काफी बढ़ गई हैं। देखना दिलचस्प होगा कि इस बार दर्शकों को क्या नया देखने को मिलता है।

सास ने मेरे लिए गोंद के लड्डू...,प्रेग्नेंसी के तुरंत बाद आलिया ने ऐसे कम किया था वजन

आलिया भट्ट कुछ समय पहले ही मां बनी हैं। वह नई मां के साथ-साथ एक अभिनेत्री भी हैं। बीते दिनों खबर आई थी कि

आलिया ने बेहद ही कम समय में प्रेग्नेंसी के बाद अपना वजन कम कर लिया था, जिसके बाद वह चर्चा का विषय थीं। लोगों का कहना था कि उन्होंने अपना वजन प्राकृतिक रूप से कम नहीं किया था, जबकि ऐसा नहीं है। अब आलिया ने खुलासा किया है कि उन्होंने अपना वजन कैसे कम किया है।

अपने शरीर के साथ सख्ती नहीं की

आलिया ने कहा, जब मैंने राहा को जन्म दिया उस वक्त मैंने अपने शरीर के साथ बहुत सख्ती नहीं की। मैं जानती हूं कि हर कोई ये समझता है कि मैं नेचुरली अपना वजन कम नहीं किया है, लेकिन सच्चाई यह है कि उस वक्त मैं अपनी अक्ल की दाढ़ भी नहीं निकलवा सकती थी, क्योंकि मैं उस वक्त मैं ब्रेस्टफीड कराती हूं और मुझे एनेस्थीसिया नहीं दिया जा सकता है। इसलिए मुझे ऐसा लगा कि अब मुझे इंस्टाग्राम पर आकर अपनी फिटनेस के कुछ हिस्सों को बताना चाहिए।

नेचुरली कम किया था वजन

आलिया ने आगे कहा, डिलीवरी के बाद मैंने खुद पर कोई दबाव नहीं बनाया। डॉक्टरों ने मुझे सलाह दी कि 12 हफ्ते के बाद अपने वर्कआउट में खूब मेहनत करें और मैंने ऐसा ही किया। लेकिन अभी मैं अपने पुराने वजन तक वापस नहीं आ पाई हूं, लेकिन प्रेग्नेंसी के बाद मैंने अपना वजन नेचुरली ही कम किया है। मैंने 15 मिनट टहलना, गहरी सांस लेना और एक्सरसाइज करना शुरू किया था।

सास ने मुझे गोंद के लड्डू खिलाए

आलिया ने आगे बताया, मेरी सास ने मेरे लिए गोंद के लड्डू भी बनाए थे जो मैंने छह सप्ताह तक खाए। लोगों को यह समझने की जरूरत है कि गर्भावस्था के दौरान वजन ज्यादा खाने से नहीं बढ़ता है। इस दौरान उन्होंने अपनी बेटी राहा के बारे में भी बात की। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री बहुत जल्द रणबीर सिंह के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आने वाली हैं।

पुष्पा 2 में कैमियो रोल में नजर आएंगे जूनियर एनटीआर

आरआरआर सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। साउथ सुपरस्टार सुकुमार निर्देशित पुष्पा 2 के सेट पर नजर आए हैं। फिल्म के सेट पर अभिनेता को देखकर उनके फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं। इसके साथ ही इंटरनेट पर लोग तरह-तरह के कयास भी लगा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुष्पा 2 के सेट पर जूनियर एनटीआर अल्लू अर्जुन और सुकुमार से मिलने पहुंचे थे। हालांकि, इस मुलाकात के पीछे की वजह अभी तक साफ नहीं हो पाई है।

यहां हो रही फिल्म की शूटिंग

हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में पुष्पा 2 की शूटिंग चल रही है। ऐसे में फिल्म के सेट पर आरआरआर एक्टर की मौजूदी काफी कुछ बयां कर रही है। वायरल हो रही तस्वीर में अभिनेता सफेद रंग की शर्ट पहने नजर आ रहे हैं।

कैमियो रोल में नजर आएंगे जूनियर एनटीआर ?

कयास लगाए जा रहे हैं कि जूनियर एनटीआर पुष्पा 2 में कैमियो रोल में नजर आ सकते हैं। इस वक्त एक्टर अपनी अगली फिल्म एनटीआर 30 पर काम कर रहे हैं। वहीं उनकी इस फिल्म से बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर भी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख रही हैं।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि पुष्पा 2 की शूटिंग अल्लू अर्जुन ने पिछले साल नवंबर में ही शुरू कर दी थी। फिल्म के सीक्वल में अभिनेता पिछली बार से अधिक खतरनाक एक्शन दिखने वाले हैं।यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

मुख्यमंत्री ने दंतेवाड़ा पहुंचकर जवानों की शहादत को किया नमन

रायपुर,27 अप्रैल 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दंतेवाड़ा पहुंचकर अरनपुर घटना में शहादत देने वाले शहीद जवानों के पार्थिव शरीर पर पुष्पगुच्छ अर्पित कर श्रद्धांजलि दी । मुख्यमंत्री ने शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों को भी ढांढस बंधाया।

इस दौरान गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, लोकसभा सांसद दीपक बैज, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, बीजापुर विधायक श्री विक्रम मडांवी, दंतेवाड़ा विधायक देवती कर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष तूलिका कर्मा, डीजीपी श्री अशोक जुनेजा, एडीजी नक्सल विवेकानंद सिन्हा, बस्तर कमिश्नर श्याम धावड़े, आईजी बस्तर सुंदरराज पी., कलेक्टर विनीत नन्दनवार, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण में भी शहीदों को श्रद्धांजलि और पार्थिव शरीर को कंधा दिया। जिला प्रशासन दंतेवाड़ा द्वारा शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किया गया।

ग्राम अरनपुर में 26 अप्रैल को नक्सल घटना में शहीद जवानों में सर्वश्री जोगा सोढ़ी पोलमपल्ली सुकमा, दतेवाड़ा के मुन्ना कड़ती तुमनार दंतेवाड़ा, संतोष तामो भांसी दंतेवाड़ा, दुलगो मंडावी कटेकल्याण दंतेवाड़ा, लखमू राम मड़कामी भैरमगढ़ बीजापुर, जोगा कवासी कटेकल्याण दंतेवाड़ा, हरिराम कटेकल्याण दंतेवाड़ा, जयराम पोडियाम कटेकल्याण दंतेवाड़ा, जगदीश कुमार कोवासी कटेकल्याण दंतेवाड़ा, राजू राम करटम कटेकल्याण दंतेवाड़ा शामिल है।

10 शहीद डीआरजी जवानों में 8 दंतेवाड़ा के निवासी

जिले के अरनपुर नक्सली हमले में में हुए आईईडी विस्फोट में 10 डीआरजी के जवान शहीद हुए हैं। इस नक्सली हमले में शहीद 10 डीआरजी के जवानों में दंतेवाड़ा जिले के निवासी 08 जवान शहीद हुए हैं जिससे पूरा दंतेवाड़ा गमगीन है, जबकि एक जवान सुकमा और एक बीजापुर का निवासी है। दंतेवाड़ा के शहीद 08 जवानों में 04 जवान तो एक ही गांव के रहने वाले हैं। दोनों साथ-साथ भर्ती हुए और दोनों की शहादत भी एक ही दिन हो गयी। राजू राम करटम और जगदीश कोवासी दोनों कुआंकोंडा के बड़ेगुडरा के रहने वाले हैं। दोनों जवान 10 मार्च 2022 को भर्ती हुए थे। उसी तरह कटेकल्याण मारजूम भीमापारा के दुलगो मंडावी और कटेकल्याण के बड़े गादम के जोगा कवासी 06 मार्च 2023 को डीआरजी में भर्ती हुए थे। दोनों एक महीना 23 दिन ही नौकरी कर पाये की उनकी शहादत हो गयी।

शहीद जवानों को दिया कंधा...परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस

जवानों के अंतिम संस्कार को लेकर नक्सलियों ने सुनाया ये बड़ा फरमान

श्रद्धांजलि सभा में नहीं पहुंचे 2 जवानों के परिजन, सीएम बोले : अगर उन्हें लड़ना है तो...

जवानों के अंतिम संस्कार को लेकर नक्सलियों ने बड़ा फरमान सुनाया है। नक्सलियों ने गृह ग्राम में अंतिम संस्कार नहीं करने का फरमान सुनाया है। नक्सलियों ने कटेकल्याण के मारजुम और गादम गांव में फरमान सुनाया है। उन दो जवानों का जिला मुख्यालय में अंतिम संस्कार होगा। वहीं 2 शहीद जवानों का परिवार इस श्रद्धांजलि सभा में नहीं पहुंचा। इस दौरान सभी शहीद जवानों के परिवार का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

सीएम भूपेश ने आज दंतेवाड़ा के पुलिस लाइन कारली में पहुंचकर सभी शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी और परिजनों को ढांढस भी बंधाया। सीएम ने कहा कि हमारे जवान लड़ते हुए शहीद हुए हैं। पिछली बार भी कई जवान लड़ते हुए शहीद हुए थे उससे ज्यादा नक्सलियों को नुक्सान पहुंचा था। जिन नक्सलियों को आत्मसमर्पण करना है उनके लिए आत्मसमर्पण नीति है और अगर किसी को लड़ाई करनी है तो हमारे जवान पीछे नहीं हटेंगे।

गृहमंत्री के बयान पर सीएम भूपेश बघेल का पलटवार, बोलेःउन्हें पूरी जानकारी नहीं,ये राजनीतिक बयानबाजी

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में कल बुधवार 26 अप्रैल को एक बड़ा नक्सली हमला हुआ जिसमे 10 जवान और एक ड्राइवर शहीद हो गए। इस बड़े घटनाक्रम के बाद छत्तीसगढ़ में एक तरफ शोक का माहौल है वहीं दूसरी तरफ सियासत भी शुरु हो गई है। सियासत की हवा छत्तीसगढ़ से चलते हुए मध्य प्रदेश तक चली गई है। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार में गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इस बड़े नक्सली हमले को लेकर दुःख प्रकट किया है, साथ ही यह भी कहा है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार में नक्सली पुलिस पर हमला कर रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार में पुलिस नक्सलियों को मुठभेड़ में ढेर कर रही हैं। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि ङ्क दो प्रदेश की सरकार है। एक छत्तीसगढ़ है और एक भाजपा है। एक जगह भाजपा की सरकार है और एक जगह कांग्रेस की सरकार। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है वहां नक्सली हमला कर रहे हैं और दूसरी ओर मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है यहां पुलिस हमला कर रही है नक्सली मारे जा रहे हैं। डेढ़ करोड़ के नक्सली एक साल के

अंदर 8 बड़े-बड़े पुलिस और हॉक फ़ोर्स ने मार गिराए। कोई भी ऐसा व्यक्ति जो शांति भांग करता है, न क स ल ी गतिविधि करता है उसे जड़ से उखाड़ दिया जाएगा। एमपी गृहमंत्री के इस बयान पर छत्तीसगढ़ सीएम भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा ङ्क नरोत्तम मिश्रा को पूरी जानकारी नहीं है, ये राजनितिक बयानबाजी कर रहे हैं। ऑपरेशन में कई बार हमें सफलता मिलती है कभी नुक्सान उठाना पड़ता है। हमारे जवानों की शहादत बेकार नहीं जाएगी।

शहरों की दौड़-भाग भरी जिंदगी में सुकून दे रही है मितान योजना

» घर बैठे मिल रहे जन्म, मृत्यु,विवाह सहित 13 प्रकार के प्रमाण-पत्र

रायपुर, 27 अप्रैल 2023(ए)। शहरों की दौड़-भाग भरी जिंदगी में लोगों को मुख्यमंत्री मितान योजना के जरिए बड़ी राहत मिल रही है। शासकीय काम-काज के लिए जरूरी दस्तावेज जैसे जन्म, मृत्यु, मूल निवासी, विवाह आदि प्रमाण पत्र अब लोगों को इस योजना के जरिए आसानी से और घर बैठे ही मिल रहे हैं। 77 हजार लोगों ने मितान योजना का लाभ उठाया है। मितानों ने लोगों के घर तक जरूरी दस्तावेज पहुंचाएं हैं। इन प्रमाणपत्रों के लिए लोगों को केवल टोल फ्री नम्बर 14545 अप्वाइंटमेंट बुक कराना होता है। इसके बाद मितान घर आकर प्रमाण पत्र के लिए जरूरी कागजात लेकर जाते हैं और प्रमाण पत्र तैयार

होने के बाद घर पहुंचा देते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा 01 मई 2022 से प्रदेश के समस्त 14 नगर निगमों में शुरू की गई मुख्यमंत्री मितान योजना में अब तक लगभग 80 हजार लोगों ने शासकीय दस्तावेज घर पर प्राप्त करने के लिए अप्वाइंटमेंट बुक कराया है, वहीं दूसरी तरफ 51 हजार से अधिक नागरिकों ने घर बैठें ही अपने जरूरी शासकीय दस्तावेज प्राप्त किए हैं। इस योजना में लगभग 01 लाख 50 हजार से अधिक नागरिकों ने मितान योजना के टोल फ्री नम्बर 14545 पर सम्पर्क कर शासकीय दस्तावेजों को प्राप्त करने के संबंध में जानकारी हासिल की है।

मितान योजना में 13 प्रकार की सेवाएं दी जा रही है। भविष्य में इन सेवाओं को और बढ़ाने की योजना है। वर्तमान में जन्म प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र में सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार, मूल निवासी प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र, दुकान और स्थापना पंजीकरण संबंधी दस्तावेज, भूमि की रिकार्ड की नकल, भूमि सूचना (भूमि उपयोग), आधार कार्ड पंजीकरण, (5 वर्ष तक के बच्चों का) आधार कार्ड में पता एवं मोबाइल नंबर में सुधार, पैन नम्बर प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र, पैन अपडेट एवं डुप्लीकेट इत्यादि सेवाएं दी जा रही हैं।

ऐसे लिया जा सकता है लाभ

मुख्यमंत्री मितान योजना से लाभान्वित होने के लिये आवेदक मितान की सेवा के लिये टोलफ्री नंबर 14545 पर कॉल करता है। इसके बाद अप्वाइंटमेंट बुक किया जाता है। अप्वाइंटमेंट बुक करने के बाद आवेदक को बुकिंग की जानकारी के साथ एक एसएमएस प्राप्त होता है। इसके बाद तय समय और तारीख को मितान आवेदक के घर पहुंचकर जरूरी दस्तावेज प्राप्त करते हैं। मितान घर पहुंचकर टैबलेट के माध्यम से दस्तावेजों को सत्यापित कर पोर्टल पर अपलोड करते हैं। इसके बाद सत्यापित दस्तावेजों को संबंधित विभागों को ऑनलाइन भेजे जाते हैं जो आवेदक से संबंधित दस्तावेज की समीक्षा के बाद प्रमाण पत्र जारी करते हैं। प्रमाण पत्र जारी होने के बाद मितान एजेंट द्वारा प्रमाण पत्र आवेदक के घर पहुंचा दिया जाता है।

नक्सलियों ने ओरछा में गड्ढा खोदकर मार्ग अवरुद्ध कर लगाया बैनर

नारायणपुर, 27 अप्रैल 2023(ए)। जिले के थाना धनोरा अंतर्गत अबूझमाड़ के ओरछा में नक्सलियों ने ओरछा गेट से धनोरा चढ़ाव तक सड़क में गड्ढा खोदकर एवं लकड़ी रखकर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया है। नक्सलियों ने बैनर भी लगाए है। गौरतलब है कि नक्सलियों के द्वारा अरनपुर में आईईडी विस्फोट कर दिल दहला देने वाली घटनाओं को अंजाम देने की वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। वहीं नारायणपुर जिले में भी नक्सल गतिविधियों में इजाफा देखा जा रहा है, कुछ दिन पूर्व अबूझमाड़ के कोहकामेटा इलाके में नक्सलियों द्वारा चैन माउंटेन मशीन और एक ट्रक को आग के हवाले कर दिया था।

संजय कुमार जायसवाल बनाये गए छतीसगढ़ हाईकोर्ट के नए एडिशनल जस्टिस

केंद्र सरकार ने जारी किया आदेश

बिलासपुर,27 अप्रैल 2023 (ए)। छतीसगढ़ हाईकोर्ट को एक और जस्टिस मिल गए हैं। केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय ने इस आशय के आदेश आज जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के तहत संजय कुमार जायसवाल को छतीसगढ़ हाईकोर्ट के नए डिशनल जज के रूप में नियुक्ति कर दी है। वर्तमान में यहां कुल 14 जस्टिस कार्यरत है।

संजय कुमार जायसवाल को जस्टिस बनाने के लिए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस व दो वरिष्ठ जजों के कॉलेजियम ने सितंबर 2022 को रिकमंडेशन भेजा था। जिसे सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सहमति देते हुए केंद्र सरकार को भेज दिया। केंद्र सरकार के आईबी व सम्बंधित विभागों ने वेरिफिकेशन के बाद सहमति के लिए राष्ट्रपति को भेजा

था।राष्ट्रपति की सहमति व उनके आदेश मिलने के बाद आज केंद्र सरकार के विधि व न्याय मंत्रालय के विशेष सचिव राजिंदर कश्यप ने इस आशय के आदेश जारी कर दिये। जारी आदेश के तहत संजय कुमार जायसवाल को दो वर्ष के लिए अतिरिक्त जज के रूप में छतीसगढ़ हाईकोर्ट में पदस्थ किया गया है। उनकी नियुक्ति से हाईकोर्ट में अब 15 जस्टिस हो गए हैं।नए जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की नियुक्ति बेंच कोटे से हुई है। वह वर्तमान में दुर्ग के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर पदस्थ हैं। पूर्व में वह छतीसगढ़ हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल न्यायिक भी रह चुके हैं। वर्तमान में उनकी उम्र 58 वर्ष है। जब वे 57 वर्ष के थे तब उनकी नियुक्ति की अनुशंसा की गई थी।

नक्सलियों ने ली हमले की जिम्मेदारी

रायपुर , 27 अप्रैल 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में बड़ा नक्सली हमला का नक्सलियों ने जिम्मेदारी ली है. नक्सलियों के दरभा डिवीजन सचिव साइनाथ ने पुलिस कार्रवाई के विरुद्ध किया गया हमला बताया है। कहा गया है कि बस्तर को सैनिक की छावनी बना दिया गया है। जनता पर अत्याचार का आरोप लगाते हुए हवाई हमले का भी आरोप लगाया है। नक्सलियों ने पुलिस भर्ती पर भी सवाल खड़ा किया है। नक्सलियों ने विज्ञप्ति में कहा है कि डीआरजी में भर्ती के लिए योग्यताएं भी बदल दी गयी है। अनपढ़ होने के बावजूद, फिटनेस नहीं रहने पर भी भर्ती कर लिया जाता है। पर्चे में पुलिस भर्ती ज्यादा होने पर भी नाराजगी जतायी है। पर्चा में लिखा है कि सभी विभागों में नौकरियां बंद कर दी गयी है, जबकि सिर्फ पुलिस विभाग में भर्तियां हो रही है।

शहीद जवानों को दी श्रदांजलि, किया नक्सलियों का पुतला दहन

जगदलपुर,27अप्रैल 2023 (ए)।दंतेवाड़ा जिले में हुई नक्सली हिंसा के विरोध में जगदलपुर के नागरिकों ने जय स्तम्भ चौक में शहिद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनिट का मौन रखा। उसके बाद नक्सली मुर्दाबाद, शहीद जवान अमर रहे के नारे लगाते हुए गोल बाजार चौक में नक्सलीयों का पुतला दहन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में शहर के वरिष्ठ नागरिक, युवा वर्ग, व्यापारी वर्ग, अधिकारी, कर्मचारी सभी शामिल हुए और नक्सलीयों की कायराना हरकत का पुरजोर विरोध किया। आनंद मोहन मिश्रा ने कहा कि शहर के नागरिकों ने

यह मांग है कि सरकार इस घटना को गम्भीरता लेते हुए बस्तर को नक्सलवाद की आग में झोंकने वाले सफेदपोशों को गिरफ्तार करे और नक्सलवाद का सफाया करे।

इस दौरान संतोष कुमार जैन, दशरथ कश्यप, किशोर पारख, संपत झा, आनंद मोहन मिश्रा, योगेंद्र कौशिक, अरुण नेताम, वेदांत दीक्षित, राजकुमार दंडवानी, दिनेश सराफ, मनीष मूलचंदानी, नवीन मूलचंदानी, नारायण देवांगन, अविनाश गौतम, विनोद पांडे, रोहित सिंह बैस, नन्हा दुबे, बंटू, उमाशंकर झा, रूपेश झा, दीपक झा, प्रकाश झा, राजेंद्र सिंह, केतन भाटिया, पप्पू मह्ल, मनोज पाणीग्राही, सहित अन्य उपस्थित रहे।

राजभवन को आरक्षण संशोधन विधेयक पर अपना रुख साफ करना चाहिये

ररायपुर,27 अप्रैल 2023 (ए)। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि राज्यपाल की शक्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी के बाद राजभवन को आरक्षण संशोधन विधेयक के साथ राज्यपाल के हस्ताक्षर के इंतजार में बीते कई महीनों से अटके कई महत्वपूर्ण विधेयक के विषय में अपना रुख साफ करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि राज्य सरकारों के द्वारा राज्य की जनता के हित में जब सदन में कोई विधेयक पारित किया जाता है तो उस विधेयक पर राजभवन को त्वरित और जल्द निर्णय लेना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की

सरकार ने प्रदेश की अधिसंख्यक आबादी को 76 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार देने के लिए 2 दिसंबर को सदन में आरक्षण संशोधन विधेयक पारित किया था जिसमें ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत, एससी वर्ग को 13 प्रतिशत, एसटी वर्ग को 32 प्रतिशत और ईडब्ल्यूएस के दायरे में आने वालों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव है जो हस्ताक्षर नहीं होने के चलते बीते 5 माह से राजभवन में अटकी हुई है जिसका खामियाजा प्रदेश के लाखों युवाओं को भुगतना पड़ रहा है। सरकार के विभिन्न पदों में जो भर्ती की प्रक्रिया है आरक्षण विधायक में हस्ताक्षर नहीं होने के चलते अटकी हुई है स्कूल कॉलेज में भी आरक्षण का लाभ आरक्षित वर्ग को नहीं मिल पा रहा है। इसका नुकसान प्रदेश के भविष्य को हो रहे हैं।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि राजभवन को सुप्रीम कोर्ट के अहम टिप्पणी के बाद उक्त आरक्षण विधेयक में हस्ताक्षर कर देना चाहिए यदि राजभवन को उक्त बिल में कोई आपत्ति है तो राज्य सरकार को लौटा देना चाहिए ताकि उक्त विधेयक के बारे में राज्य सरकार विधानसभा में कोई निर्णय ले सके।

जवानों की शहादत पर राजनीतिक बयानबाजी दुर्भाग्यपूर्ण

रायपुर,27 अप्रैल 2023 (ए)। दंतेवाड़ा के अरनपुर में नक्सलियों द्वारा किये गए आईईडी ब्लास्ट पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बयान दिया कि हमारे जवान लड़ते हुए शहीद हुए, पहले कैंप में बिना लड़े शहीद हो जाते थे। उनके इस बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि दंतेवाड़ा की नक्सल घटना प्रदेश के लिए बहुत ही दुखद और कठिन समय है। छत्तीसगढ़ के 11 परिवारों के घर में मातम छाया हुआ है। उनके परिजनों के प्रति मैं अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं किसी परिवार ने अपना बेटा, भाई, और किसी ने पति खोया है। ऐसे शोक के क्षण में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजनीति कर रहे हैं यह दुर्भाग्य है। उन्होंने कहा कि पहले और आज की स्थिति की

तुलना नहीं हो सकती शहादत तो शहादत होती है अपनी बहादुरी से छत्तीसगढ़ के जवान पहले भी लड़ते थे और आज भी लड़ते हुए शहीद हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीदों की तुलना नहीं की जा सकती ना ही पुलिस के शौर्य को तौला नहीं जा सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर से सरगुजा तक क्या स्थिति थी वो जनता को याद है, जब सरगुजा में दिन में निकलना कठिन हो जाया करता था, किस प्रकार पूरा बस्तर प्रभावित था। आज जो परिस्थिति में बदलाव आया है, वह हमारी पुलिस जवान के साहस एवं शौर्य की वजह से बदलाव आया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)